Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 246 रविवार,10 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

खाने और सोने का नाम जीवन नहीं है। जीवन तो सदैव आगे बढ़ते रहने की लगन का नाम है।

-प्रेमचंद-

संक्षिप्त समाचार

ईद उल अजहाः जानवरों की कुर्बानी के लिए गाइडलाइन जारी, स्लॉटर हाउस के बाहर कुर्बानी पर होगी कार्रवाई

भोपाल, 09 जुलाई 2022। मुस्लिम समुदाय के त्यौहार ईद उल अजहा के मौके पर जानवरों की कुर्बानी के लिए राज्य शासन ने गाइडलाइन जारी की है। जारी गाइडलाइन के अनुसार शहर में कुर्बानी के लिए नगर निगम 42 अस्थाई स्लॉटर हाउस बनाएगा। इसी कड़ी में कलेक्टर ने 10-12 जुलाई तक अस्थाई स्लॉटर हाउस बनाने की अनुमति दी है।

नगर निगम कमिश्नर वीएस चौधरी ने ईद पर बेहतर व्यवस्थाओं के लिए निर्देश दिए हैं। कुर्बानी के अवशेषों को नगर निगम के कचरा वाहनों को ही देने के निर्देश दिए गए है। स्लॉटर हाउस के अलावा अन्य स्थानों पर कुर्बानी किए जाने पर लगाया जाएगा जुर्माना और कड़ी कार्रवाई होगी।

सीएम ने 111 साल की महिला को दिया राज्यमंत्री का दर्जा, बनाया इको एंबेसडर

बेंगलुरु, 09 जुलाई 2022। कर्नाटक की बोम्मई सरकार ने 'वृक्ष माता' के नाम से विख्यात पद्मश्री सालूमरदा थिमक्का को इको एंबेसडर बनाया है और उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा देने का आदेश भी जारी कर दिया है.

पिछले महीने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई थिमक्का के 111वें जन्मदिन के मौके पर उन्हें राज्य मंत्री और पर्यावरण राजदूत का दर्जा देने की घोषणा की थी. जिस पर अमल करते हुए सरकार ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है.।

इको एंबेसडर का मिला खिताब

बता दें कि सीएम 30 जून को बेंगलुरु के अंबेडकर भवन में आयोजित सालूमरदा थिमक्का के 111वें जन्मदिन समारोह में शामिल हुए थे. इस दौरान उन्होंने घोषणा की थी कि पर्यावरण संरक्षण में थिमक्का के योगदान के लिए राज्य मंत्री का दर्जा देने के साथ उन्हें इको एंबेसडर का विशेष खिताब देने की बात कही थी।

सीएम ममता बनर्जी ने शिंजो आबे हत्याकांड को अग्निपथ योजना से जोड़ा

कोलकाता, 09 जुलाई 2022। पश्चिमबंगाल की मुख्यमंत्री ममता मनर्जी ने आज फिर एक विवादित बयान देकर सुर्खियों में आ गई है। केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व पर लगातार हमला बोलने वाली ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में युवाओं के लिए सेना भर्ती के लिए लांच की गई अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर फिर सवाल खड़े किए हैं।

तृणमूल कांग्रेस के मुखपत्र 'जागो बांग्ला' ने अपने बंगाली लेख 'शिज़ो की हत्या में अग्निपथ छाया' शीर्षक से भारत में रक्षा भर्ती के लिए नई शुरू की गई अग्निपथ योजना के साथ पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या को जोड़ा है। लेख में कहा गया है।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के चेन्नई स्थिति आवास पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने चीनी वीजा मामले में शनिवार को कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के चेन्नई स्थित आवास की तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 17 मई को तलाशी के दौरान कार्ति चिदंबरम के घर के एक हिस्से को सील कर दिया गया था, क्योंकि उस हिस्से की चाबियां उपलब्ध नहीं थीं।

उन्होंने बताया कि यह बताया गया था कि चाबियां उनकी पत्नी के पास है, जो तलाशी के समय विदेश में थीं। उन्होंने बताया कि एजेंसी को चाबियां मिलने के बाद शनिवार को उस हिस्से में तलाशी फिर से शुरू की गई। एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को की गई तलाशी को 17 मई को हुई तलाशी अभियान का हिस्सा माना जाएगा। कार्ति ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है।

सीबीआई ने उनके और अन्य के खिलाफ वेदांता समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी द्वारा उन्हें और उनके करीबी सहयोगी एस भास्कर रमन को 50 लाख रुपये की रिश्वत देने के आरोप में 14 मई को प्राथमिकी दर्ज की थी।

कार्ति चिदंबरम पर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल के दौरान तलवंडी साबो पावर लिमिटेड के लिए काम कर रहे चीन के 263 नागरिकों को वीजा दिलवाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप है। टीएसपीएल पंजाब में एक बिजली संयंत्र स्थापित कर रही थी। उस समय पी.चिदंबरम गृह मंत्री थे।

भारत ने रचा नया कीर्तिमान

एक साल में इतने करोड़ के हथियार बेचने का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। रक्षा निर्यात में भारत ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है. रक्षा निर्यात के मामले में इस साल देश ने अच्छी प्रगति की है. भारत ने इस साल करीब 13 हजार करोड़ के हथियार बेचकर नया कीर्तिमान बनाया है.

भारत में वित्त वर्ष 2021-22 के रक्षा निर्यात के जो आंकड़े आए हैं, वह वित्त वर्ष 2020-21 के मुकाबले 54.1 फीसदी अधिक हैं. हालांकि, एक चौंकाने वाली बात यह है कि कुल निर्यात में 70 फीसदी हिस्सा प्राइवेट सेक्टर का है, जबकि पब्लिक सेक्टर की कंपनियों की ओर से सिर्फ 30 फीसदी निर्यात ही हो सका।

एक प्रतिष्ठित मीडिया में प्रकाशित रक्षा उत्पादन विभाग के अतिरिक्त सचिव संजय जाजू के बयान के मुताबिक, देश का रक्षा निर्यात मुख्यतः अमेरिका, फिलीपींस, दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के देशों को हुआ है। 2020-21 में भारत का रक्षा निर्यात 8 हजार 434 करोड़ रुपये था, जबकि 2019-20 में यह 9 हजार 115 करोड़ रुपये तक पहुंचा था।

भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2015-16 में महज 2059 करोड़ रुपये पर था। दूसरी तरफ पिछले दो साल कोविड के कारण सुस्ती रही, लेकिन इस बार हमने अच्छी प्रगति की है। पांच साल पहले की तुलना में भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में रक्षा निर्यात आठ गुना तक बढ़ाया है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया को मिला इस्पात मंत्रालय का एक और प्रभार

ग्वालियर, 09 जुलाई 2022। केंद्र सरकार ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को आज इस्पात मंत्रालय का एक और प्रभार सौंपा है। इस्पात मंत्रालय का प्रभार मिलने के साथ ही केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री सिंधिया का केंद्र सरकार में कद और बढ़ गया ।

प्रभार मिलने के बाद पहली बार ग्वालियर पहुंचे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिता माधवराव सिंधिया और दादी राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा देश की आर्थिक प्रगति और विकास में इस्पात का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहता है। आज विश्व में भारत इस्पात का द्वितीय सबसे बड़ा उत्पादक है। हमारा देश 120 मिलन मैट्रिक इस्पात का उत्पादन करता है। अगले 8 साल में हमने इस्पात उत्पादन को डबल यानी 240 मिलियन मैट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा है।

इस्पात के योगदान पर बोले सिंधिया

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह भी कहा कि बड़े उद्योगों के अलावा लघु और मध्यम इकाइयों के साथ मिलकर हम उत्पादन की क्षमता बढ़ाने पर काम करेंगे। देश के आर्थिक पहिए को बढ़ाने में इस्पात के योगदान को और बढ़ाया जाएगा। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया को अभी इस्पात मंत्रालय का प्रभार मिले एक ही दिन हुआ है, ऐसे में उन्होंने कहा कि अभी मैं इस क्षेत्र को समझूंगा और विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद ही किसी ठोस रास्ते पर चलने की कोशिश करूंगा।

मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता का निधन,मेदांता अस्पताल में थीं भर्ती

लखनऊ, 09 जुलाई 2022। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की पत्नी साधना गुप्ता का शनिवार दोपहर निधन हो गया है. वह फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित थीं. गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. पति मुलायम सिंह भी आज कुछ देर पहले उन्हें देखने पहुंचे थे. साधना गुप्ता, बीजेपी नेत्री अपर्णा यादव की सास और प्रतीक यादव की मां थीं. बता दें कि साल 2003 में मुलायम सिंह की पहली पत्नी और अखिलेश यादव की मां मालती देवी का निधन हो गया था. जिसके कुछ दिन बाद सपा नेता ने खुद से 20 साल छोटी साधना गुप्ता को दूसरी पत्नी का दर्जा दिया था. साधना गुप्ता उत्तर प्रदेश के इटावा के बिधुना तहसील की रहने वाली थीं. 4 जुलाई 1986 में उनकी शादी फर्रुखाबाद के चंद्रप्रकाश गुप्ता से शादी हुई थी. इनकी शादी के बाद 7 जुलाई 1987 में प्रतीक यादव का जन्म हुआ था. इसके दो साल बाद साधना और चंद्रप्रकाश अलग हो गए थे. इसके बाद साधना गुप्ता सपा के तत्कालीन सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव के संपर्क में आई थीं. बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव की मां मूर्ति देवी बीमार रहती थीं. उस दौरान नर्सिंग की ट्रेनिंग कर रहीं साधना गुप्ता ने लखनऊ के एक नर्सिंग होम और फिर सैफई मेडिकल कॉलेज में मूर्ति देवी का काफी ख्याल रखा था।

केशव प्रसाद मौर्य ने जताया शोक

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा संरक्षक की पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त किया है. मौर्य ने ट्विटर पर लिखा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी की पत्नी श्रीमती साधना गुप्ता जी के निधन का दुखद समाचार मिला,प्रभू पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में जगह दे. आदरणीय श्री मुलायम सिंह जी और परिजनों को ये दुख सहन करने की क्षमता दे! ओम शांति शांति शांति

कपड़ा व्यवसाय की आड़ में हथियारों की अवैध तस्करी

भोपाल, 09 जुलाई 2022। मध्यप्रदेश में गुंडा-बदमाशों के खिलाफ सीएम शिवराज मामा का बुलडोजर चलने के बाद अपराधिक गतिविधियों में कमी नहीं आ पा रही है। ऐसा लगता है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद है। ताजा मामला कपड़ा व्यवसाय की आड़ में अवैध हथियारों की तस्करी का है। पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार उसके पास से एक देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किया है।

कपड़ा व्यवसाय की आड में अवैध हथियारों की तस्करी करने वाला तस्कर को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। अवैध हथियारों के तस्करों पर क्राइम ब्रांच भोपाल का एक्शन लगातार जारी है। इसी कड़ी में एक आरोपी से एक देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। आरोपी शारंगपुर जिला राजगढ का रहने वाला है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी का पहले से ही आपराधिक रिकार्ड है। आरोपी भोपाल में पिस्टल की सप्लाई करने आया था। 25 हजार तक पिस्टल की कीमत होती है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सपा को लगा बड़ा झटका,विधान परिषद में गंवाया नेता प्रतिपक्ष का पद

लखनऊ, 09 जुलाई 2022। यूपी विधानपरिषद के लिए हाल में 12 सदस्यों को सात जुलाई को कार्यकाल समाप्त होने के बाद समाजवादी पार्टी के सदस्यों की संख्या राज्य विधायिका के उच्च सदन में घटकर 10 के नीचे आ गई है. इसकी वजह से पार्टी को सदन में नेता प्रतिपक्ष का पद गंवाना पड़ा है.

उत्तर प्रदेश विधानपरिषद के प्रमुख सचिव राजेश सिंह के जारी बयान के मुताबिक, ÷27 मई को विधान परिषद में सपा 11 सदस्यों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी और साथ ही गणपूर्ति (कोरम)हेतु भी सक्षम थी. इसकी वजह से पार्टी के सदस्य लाल बिहारी यादव को नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता प्रदान की गई थी.÷ सिंह ने बताया, ÷सात जुलाई को विधान परिषद् में सपा के सदस्यों की संख्या घटकर नौ रह गई, जो 100 सदस्यीय विधान परिषद की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के अनुसार गणपूर्ति की संख्या-10 से कम है. इसलिए विधान परिषद के सभापति ने मुख्य विरोधी दल सपा के लाल बिहारी यादव को नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मिली मान्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है हालांकि, उनकी सदन में सपा के नेता के तौर पर मान्यता बरकरार रहेगी.÷

इस बारे में विधान परिषद के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और सपा नेता संजय लाठर ने कहा, ÷सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को नेता प्रतिपक्ष बनाया जाता है, चूंकि समाजवादी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी हैं, इसलिए उसे नेता प्रतिपक्ष का पद दिया जाना चाहिए.÷ उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस मामले पर अदालत का दरवाजा खटखटाएगी. लाठर ने कहा कि सदन में विपक्ष का नेता नियुक्त करने के लिए सीटों के न्यूनतम प्रतिशत की जरूरत नहीं होती. उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को विधान परिषद के 12 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो गया. इसके साथ ही नेता प्रतिपक्ष का पद भी समाप्त कर दिया गया. विधान परिषद के विशेष सचिव ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है.

कार्यकाल पूरा करने वाले सदस्यों में जगजीवन प्रसाद, बलराम यादव, डॉ. कमलेश कुमार पाठक, रणविजय सिंह, राम सुंदर दास निषाद, शतरुद्र प्रकाश, अतर सिंह राव, दिनेश चंद्रा, सुरेश कुमार कश्यप और दीपक सिंह शामिल हैं.।

पिकअप ने सड़क किनारे बैठे 8 लोगों को रौंदा,5 की मौत,3 गंभीर रूप से घायल

चित्रकूट, 09 जुलाई 2022। भरतकूप क्षेत्र में शनिवार तड़के सुबह पिकअप ने सड़क किनारे बैठे आठ लोगों को रौंदा दिया. सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई. वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं. इसके बाद आक्रोशित भीड़ ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया.

घटना भरतकूप थाना क्षेत्र के रौली कल्याणपुर गांव की है, जहां बांदा जिले के जारी गांव की बारात आई हुई थी और सुबह कुछ लोग सड़क के किनारे ही बैठे थे तो कुछ लोग घर के सामने सो रहे थे. इसी दौरान एक अनियंत्रित पिकअप गाड़ी ने 8 लोगों को रौंद दिया, जिसमें से 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने रोड को जाम कर दिया.

वहीं, चित्रकूट सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री ने शोक जताया है. उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपए आर्थिक मदद देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं. चित्रकूट जिला अधिकारी सुभ्रान्त कुमार शुक्ला ने बताया कि जिले का रावली कल्याणपुर गांव नेशनल हाईवे के किनारे है, जहां एक शादी समारोह में लोग आए हुए थे.

हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

सहमति से बना यौन संबंध के बाद शादी से इंकार को नहीं माना जाएगा रेप

केरल, 09 जुलाई 2022। हाइकोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है. उच्च न्यायलय ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि दो लोगों के बीच सहमति से बने संबंध रेप की कैटेगरी में नहीं आते. इसे आईपीसी की धारा 376 के तहत रेप नहीं माना जा सकता. अगर सहमति धोखे से या जबरदस्ती ली गई थी तो ही आरोपी के खिलाफ बलात्कार माना जा सकता है.

शुक्रवार को केरल हाईकोर्ट के जस्टिस बेचु कुरियन की बेंच ने पेशे से 29 वर्षीय वकील और याचिकाकर्ता नवनीत एननाथ की याचिका पर सुनवाई के बाद ये फैसला दिया. नवनीत एननाथ को 23 जून को आईपीसी की धारा 376 (2) (ठ) और 313 के तहत गिरफ्तार किया गया था. नवनीत पर आरोप था कि चार साल तक उन्होंने एक महिला वकील को शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप किया और शादी किसी और से कर ली. जब महिला को इसकी जानकारी मिली तो वह नाथ की मंगेतर से होटल में मिलने पहुंची. कथित तौर पर महिला ने नस काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की.

अब इस मामले में केरल हाईकोर्ट के जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने नवनीत एन नाथ को जमानत देते हुए कहा कि भले ही दो लोगों के बीच सहमति से बने यौन संबंध विवाह में परिवर्तित नहीं होते हैं, फिर भी यह बलात्कार के अंदर नहीं आएंगे. बाद में शादी करने से इनकार करना या रिश्ते को शादी में ले जाने में विफलता ऐसे कारक नहीं हैं जो बलात्कार के श्रेणी में आते हों. भले ही साथी शारीरिक संबंध में शामिल हो. केरल हाईकोर्ट ने कहा कि किसी की सहमति या इच्छा के बिना या बल प्रयोग से किया गया सेक्स ही बलात्कार की श्रेणी में आएगा. यहां पर अहम सवाल यह भी है कि क्या सेक्स के बाद शादी करने से इनकार करना बलात्कार है. इस पर अदालत ने आगे स्पष्ट किया कि जब वादा खराब विश्वास में दिया गया हो या सेक्स धोखाधड़ी से किया गया है या इसे बनाते समय वादा पालन करने का इरादा नहीं था, तभी ये बलात्कार की श्रेणी में आएगा।

किसी के जाने से पार्टी खत्म नहीं हो जाती,शिवसेना एक स्ट्रीट पार्टी हैः उद्धव

मुंबई, 09 जुलाई 2022। एकनाथ शिंदे ग्रुप की बगावत के बाद ठाकरे फैमिली के तेवर एकदम बदल चुके हैं। उद्धव ठाकरे भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं और लगातार ऐक्टिव हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को उन्होंने अपने पैतृक आवास मातोश्री में मीडिया को बुलाकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि धनुष-बाण शिवसेना का इलेक्शन सिंबल है और इसे कोई छीन नहीं सकता। उन्होंने कहा कि मैं एक वकील से बात कर रहा हूं और इस पर पैरवी की जाएगी। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि लोग अपनी भावनाओं के आधार पर मतदान करते हैं। सिर्फ चुनाव चिह्न ही मायने नहीं रखता है।

उन्होंने विधायकों पर तंज कसते हुए कहा कि किसी के जाने से पार्टी खत्म नहीं हो जाती। ठाकरे ने कहा कि शिवसेना कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे कोई ले कर भाग गया। यह एक स्ट्रीट पार्टी है। पूर्व सीएम ने कहा, 'मान लीजिए हमारे पास केवल एक विधायक होता और तो वह पार्टी छोड़ देत तो क्या इसका मतलब यह है कि पार्टी खत्म हो गई है? उद्धव ठाकरे ने कहा कि भले ही 1 या 50 या फिर 100 ही विधायक क्यों न चले जाएं। पार्टी उनके जाने से खत्म नहीं हो सकती। पार्टी बनी रहती है, लोगों में भ्रम पैदा होता है। उन्होंने कहा कि

विधायक दल और पंजीकृत दल अलग हैं।

एक बार फिर से इमोशनल कार्ड चलते हुए उन्होंने कहा कि शिवसेना ने बिना किसी का बैकग्राउंड देखे आम लोगों को बड़ा बनाया। बड़े हुए लोग चले गए, लेकिन जिन साधारण लोगों ने उन्हें बड़ा बनाया, वे शिवसेना के साथ हैं। इसलिए, शिवसेना के भविष्य के लिए कोई खतरा नहीं है। बता दें कि उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ने निष्ठा यात्रा निकालने का फैसला लिया है। इसे शिवसेना बचाने की कवायद माना जा रहा है। इस यात्रा के दौरान वह बागी विधायकों के इलाकों में भी जाएंगे और शिवसैनिकों को निष्ठा की शपथ दिलाएंगे।

मध्यावधि चुनाव में उतरने का दिया चैलेंज

ठाकरे ने राज्य में चुनाव की मांग उठाई है। उन्होंने कहा, 'मैं उन लोगों को आज विधानसभा चुनाव की चुनौती देता हूं। अगर हमने गलत किया है, तो लोग हमें घर भेज देंगे। और अगर आपको यही करना जरूरी था, तो ऐसा ढाई साल पहले करना चाहिए था। यह सम्मान के साथ हुआ होता। ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं होती।'

संपादकीय

पांच साल,जारी सवाल

आरंभ में जीएसटी काउंसिल को सहयोगात्मक संघवाद की उत्कृष्ट मिसाल बताया गया था। लेकिन व्यवहार में हालत यह है कि कांग्रेस ने इसकी बैठक में भी 'बुल्डोजर चलाए जाने' का आरोप लगाया है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के लागू हुए पांच साल पूरे हो गए हैं। पांचवीं सालगिरह से ठीक पहले जीएसटी काउंसिल की बैठक हुई। उसमें घरेलू जरूरत की चीजों पर टैक्स बढ़ाने का फैसला हुआ। इस फैसले से देश की आर्थिक हालत से परिचित लोग अचंभित हुए। इसलिए कि इस वक्त जबकि लगभग सारी दुनिया रिकॉर्ड महंगाई झेल रही है, सरकारों से अपेक्षा ऐसे कदम उठाने की है, जिससे मूल्यवृद्धि पर लगाम लगे। जबकि भारत में उलटा फैसला हुआ है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में एक एजेंडा राज्यों की यह मांग भी था कि उनके लिए मुआवजे का प्रावधान चार साल के लिए और बढाया जाए। जीएसटी लागू होते वक्त मुआवजे की पांच साल की अवधि तय की गई थी, जो जाहिर है कि अब पूरी हो चुकी है। इस बीच जीएसटी के आम असर, महामारी और अर्थव्यवस्था की खस्ताहाली के कारण राज्यों माली सेहत काफी बिगड़ चुकी है। ऐसे में अगर उनके लिए धन की व्यवस्था नहीं होगी, तो उनके लिए उन जिम्मेदारियों को पूरा करना संभव नहीं रह जाएगा, जिसकी भारतीय संविधान के तहत उनसे अपेक्षा की जाती है। लेकिन इस मांग को अगली बैठक तक के लिए टाल दिया गया।

आरंभ में जीएसटी काउंसिल को सहयोगात्मक संघवाद की उत्कृष्ट मिसाल बताया गया था। लेकिन व्यवहार में हालत यह है कि कांग्रेस ने इसकी बैठक में भी 'बुल्डोजर चलाए जाने' का आरोप लगाया है। दरअसल, एक जुलाई को कांग्रेस ने जीएसटी पर अब तक के अनुभव की जो आलोचना पेश की, उसमें बहुत-सी ऐसी खास बातें हैं, जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस लिहाज से कांग्रेस की यह मांग उचित है कि पांच साल पूरा होने के बाद अब सरकार को सर्वदलीय बैठक बुला कर इसके अमल के तजुर्बे पर विचार-विमर्श करना चाहिए। लेकिन जब बुल्डोजर सचमुच हमारी राजनीतिक संस्कृति का प्रतीक बन गया है, तब ऐसा होने की उम्मीद कम ही है। बहरहाल, जीएसटी के कारण छोटे और मझौले कारोबार की मुश्किलें जिस तरह बढ़ीं और अब आम उपभोक्ताओं की और बढ़ने वाली हैं, उसे देखते हुए इस मामले में बुल्डोजरी नजरिये का मतलब और भी बड़ी आर्थिक मुसीबतों को न्योता देना होगा।

जनमुद्दे बनाम ऐसे-वैसे मुद्दे

कृष्ण कुमार निर्माण
करनाल,हरियाणा।

देश भर में आज की तारीख में लगभग बाइस करोड़ लोगों को भरपेट भोजन नहीं मिल पाता लेकिन किसी भी मीडिया में यह खबर मुख्य स्थान नहीं पा सकी।बहस तो दूर की बात है।लगभग टीवी चैनलों को देखकर,कुछ प्रिंट मीडिया को छोड़कर,डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि देश में रोजी-रोटी और रोजगार की समस्या का हल हो चुका है?सब लोग मजे में हैं?भुखमरी का तो देश में सवाल ही पैदा नहीं होता?किसानों की आय छह गुणा हो चुकी है?रुपया बेहतरीन हालात में हैं?महंगाई नाम की कोई चीज कम से कम भारत देश में तो है नहीं,और कहीं हो तो पता नहीं पर हमारे यहाँ नहीं है?तमाम सार्वजनिक विभाग दिनों-दिन प्रगति पथ पर हैं?नौकरी के नए-नए आयाम खोले जा रहे हैं?महिला सुरक्षा अच्छे से हो रही है?सबको न्याय मिल रहा है?मतलब कुल मिलाकर सब कुछ ठीक है तभी तो टीवी चैनलों पर इन तमाम मुद्दों पर कोई बहस नहीं होती?तभी तो सोशल मीडिया पर इन मुद्दों पर किसी भी प्रकार की कोई चर्चा नहीं है?तभी तो एकाध प्रिंट मीडिया को छोड़कर सब जगह दूसरे तरह के लेख और खबरें छपी होती हैं?तभी तो डिजिटल मीडिया पर पता नहीं क्या-क्या चल रहा है?क्योंकि याद रखिए कि यदि कोई भी इस बात पर ब्यान दे कि रसोई गैस महंगी हो गई है तो यह हो सकता है कि इस तरह के ब्यान को कहीं जगह ही ना मिले और मिले भी तो सम्भवतः किसी कोने में मिले और ऐसा भी हो सकता है कि जिसने इस तरह का ब्यान दिया है,उसे ही अलग-थलग कर दिया जाए क्योंकि इस तरह के ब्यानों की वर्तमान दौर में कोई उपादेयता नहीं है?बेरोजगारी पर ब्यान देना किसी को न केवल उल्टा पड़ सकता है बल्कि मुँह की भी खानी पड़ सकता है क्योंकि चैनलों पर इस बात को लेकर पूरा माहौल बनाया जा चुका है कि अग्निवीर योजना ही बेरोजगारी का एकमात्र हल है और कौशल रोजगार ही सबको रोजगार दिलवाएगा?जबकि सत्य कोई बता ही नहीं रहा।झूठ इतना जबरदस्त तरीके से चल रहा है कि सम्भवतः सच को ही शर्म आने लगी है कि उसका वजूद है भी या नहीं?क्योंकि एक तरफ यह प्रचार किया जाता है कि देश के सभी गाँवों में बिजली पहुँचाई जा चुकी है पर अगले ही दिन यह खबर आती है कि देश के सर्वोच्च पद की उम्मीदवार के पैतृक गाँव में बिजली अभी नहीं है,अभी पहुँचाई जा रही है जबकि सत्य यह है कि देश के सर्वोच्च पद की प्रत्याशी राजनीति में पुरानी है।कई बार विधायक रह चुकी है।राज्यपाल भी रह चुकी है।पर उनके गाँव में बिजली ना होने की खबर को अखबार के किसी कोने मे छोटी-सी जगह मिलती है और इस पर किसी ने किसी भी मंच पर कोई बहस नहीं की क्योंकि इसकी जरूरत ही नहीं समझी जा रही।ठीक ऐसे ही गैस वाली योजना से गरीब महिलाओं का भला होने की बात इस तरह से प्रचारित की जाती है कि जैसे इतना बड़ा काम हो गया हो कि बस पूछिए मत!पर इस पर कोई बहस नहीं है एक हजार से ऊपर का हुआ गैस सिलेंडर मध्यम वर्ग का व्यक्ति भी जब भरवाता है तो उसका दिल धड़कता है,जिस गरीब महिला के दिन बदलने का दावा किया जा रहा है,वह कैसे गैस भरवाती होगी क्योंकि आंकड़े कह रहे हैं कि हमारे देश में लगभग साठ करोड़ लोगों की दैनिक आय तीस रुपये से भी कम है।बेरोजगारी के आंकड़े जब आते हैं सिर्फ यह खबर आती है कि बेरोजगारी उच्चतम स्तर पर,पर इसके बाद इस पर कोई चर्चा नहीं होती,ये बहस का मुद्दा ही नहीं बनता,जैसे महंगाई कोई मुद्दा नहीं बन पा रहा,जैसे निरंतर रुपया गिर रहा है पर चर्चा के केंद्र में नहीं जैसे पहले ये सब हुआ करता था क्योंकि जनमुद्दों को बहस से टाला जा रहा है,जनमुद्दों को नकारा जा रहा है और ऐसे मुद्दों को उछाला जा रहा है जो कि उल्टे हैं,जिनसे पूरे समाज में वैमनस्य पैदा होता है,नफरत पैदा होती है,भटकाव होता है,उन मुद्दों को हवा दी जा रही है।उन मुद्दों पर ब्रेकिंग न्यूज़ घण्टों तक चलती रहती है और उस पर प्राइम टाइम आयोजित होते हैं।निरंतर बहस होती रहती है,तब तक बहस जारी रहती है जब तक वैसा ही कोई और ब्यान ना आ जाए।वैसे आज के दौर में यह बात तो साफ है कि यदि मीडिया की लाइम स्ट्रीम में आना हो तो फिर कोई ऐसा ब्यान दीजिए जैसा कि नूपुर,महुआ,ओवैसी,सलमान चिश्ती,बजरंग मुनि,यति नरसिंहानंद, दिग्विजय सिंह आदि-आदि देते रहते हैं।कोई ऐसा ट्वीट कीजिए कि बस हंगामा मच जाए।या फिर विधायकों को लेकर कहीं होटल में चले जाइए।कोई ऐसी धर्म संसद कीजिए कि जहाँ नफरती भाषण हों फिर देखिए,देखते-देखते आपकी तूती बोलने लगेगी।तमाम तरह के मीडिया चैनल आपको सादर बुलाएंगे और आपके ब्यानों को ऐसे करके प्रस्तुत करेंगे कि बस! धर्म का सत्यानाश हो गया जबकि तमाम तरह के ब्यानों के बाद आज भी धर्म अपनी जगह हैं और उस पर कोई असर नहीं हुआ क्योंकि धर्म कोई कच्चा धागा नहीं है जो टूट जाए।धर्म एक निजी मसला है।धर्म एक कर्तव्य है जो हर व्यक्ति को निभाना चाहिए।यह हम नहीं गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है।पर आजकल भावनाएं तुरंत आहत होने लग गई हैं।ये भावनाएं किसी भूखे को देखकर इतनी आहत नहीं होती,रोजी-रोटी के लाले पड़े हुए हैं पर मजाल है कि भावनाएं आहत हो जाएं,महंगाई चरम पर है पर भावनाओं पर कतई असर नहीं हो रहा,इस देश के अनुसूचित जाति के लोगों पर आज भी अत्याचार हो रहा है पर किसी की भावनाएं आहत नहीं हुई और ना ही धर्म पर कुछ असर हुआ?आरक्षण के नाम पर कुछ भी बोलिए,किसी को कितना भी सताइए पर किसी की भावना आहत नहीं होंगी क्योंकि अपनी-अपनी परिभाषाएं हैं।और हम चाहते हैं एक ऐसा राष्ट बनाना जिसका नाम विशेष हो,कैसे होगा ये सब क्योंकि हम चाह कुछ ओर रहे हैं और जा कहीं और रहे हैं।यकीनन आज का प्रिंट,डिजिटल,सोशल और टीवी मीडिया पूर्णतया बदल गया है।सच में उस पर किसी अदृश्य ताकत का दबाब है वरना ऐसे कैसा हो सकता है कि जनपक्षीय मुद्दों से मीडिया दूरी बना ले और दूसरे मुद्दों पर महीनों बहस चलती रहे।गजब तो तब होता है वह भी सलेक्टिव चलाई जाए और चलती रहे।पिछले एक साल की तमाम बहसें बताती हैं कि उनमें से जनपक्षीय मुद्दे ऐसे गायब थे जैसे कि गधे के सिर से सींग गायब होते है।कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि सरकारों को कोसना छोड़ दीजिए।विपक्ष पर तोहमत लगाना बंद कीजिए और खुद की जिम्मेवारी पहचानिए,समझिए और प्लीज जनपक्षीय मुद्दों की तरफ लौटिए ताकि अनर्गल बहस-मुबाहिसों से भी बचा जा सके और सत्ता के सामने जनता के सवाल भी रखे जा सकें वरना जिस तरह की अनर्गल बहसें चल रही हैं,कहीं ऐसा ना हो कि हम खतरनाक दौर में प्रवेश कर जाएं,जहाँ से कोई सही राह का ढूंढ पाना भी मुश्किल हो जाए।

पुस्तकें हमारी मार्गदर्शक ज्ञान का मुख्य द्वार

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर छत्तीसगढ़,

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदोद्य उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। पंचतंत्र तथा हितोपदेश इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों में खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं।

हर क्षण की तरंग!

डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा राजस्थान

जिंदगी के खेल में खेलता जा,
रोशनी की तरह फैलता जा,
खुद पर रख पुरा यकीन,
खिलाड़ी तू है बेहतरीन!!
आत्मविश्वास के साथ चलता जा,
पीछे ना देख,आगे बढ़ता जा,
हर कदम पर है इम्तिहान,
आसानी से नहीं पूरे होते अरमान!
हौसलों की उड़ान को भरता जा,
बेहतरीन बनके निखरता जा,
हिम्मत है तुझमे भरपूर,
नकारात्मकता को कर स्वयं से दूर!
चांद की तरह चमकता जा,
सूरज की तरह दमकता जा,
जीवन के हर पल हे अनमोल,
उड़ान भर बंद पंखों को खोल!!

अनभलिहा

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जाँजगीर-चांपा छत्तीसगढ़

अमटहा गोठ पाके सकलाय हे।
लगत हे अइना देखोय्या आय हे।।
जेकर कइची कस बड़ जुबां चलथे।
वोकर पर कटोय्या कोनो आय हे।।
निचट टेटरहा गोठ हा नइ सकाय।
तेखरे बर सला-सुमता मड़हाय हे।।
नानमुन ढेकना के कहना नी माने।
ओखरे बर जब्बड़ गोल्लर पाय हे।।
तय मनचढे बरोबर जेतका इतराले।
भिया उतरय्या बइगा कस आय हे।।
तय लगा ले दुसर के घर मा आगी।
पर तोर गोठ ला कोन पतियाय हे।।
तय गिनत रह दुसर के करम ला।
फेर तोरो पीठ रोग-माँदी छबाय हे।।
अझि के बेरा मा कोन आरुग हावय।
जेन पर मा परिया दोस नइ लगाय हे।।
अपन खाके अपन डाहर रेंग मनखे।
इहाँ जलनहा-कपटी मनखे भराय हे।।
भल-अनभल जम्मो के हिसाब होही।
भुंइया ला भुगते बिना कोन जाय हे।।

अब जाकर आराम मिला है

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

क्लांत तन और तिक्त हृदय को
अब जाकर आराम मिला है।
तुमने देखा प्रेम से मुझको
मेरे मन का पुष्प खिला है ।
जीवन की रजनी में साथी
तुम प्रभात बनकर आए हो
शुष्क धरा के लिए व्योम पर
अम्बुद बनकर अब छाए हो।
हृदय में रहे जीवन में नहीं
भाग्य से मुझको यही गिला है।
क्लांत तन और तिक्त हृदय को
अब जाकर आराम मिला है...
तुम ही बने हो मार्गदर्शक
मैं तुम्हारे पथ की अनुगामी।
मन का प्रेम तुम्हीं को अर्पण
ईष्ट, देवता, तुम हो स्वामी।
स्नेहलेप शब्दों का रखकर
तुमने ही हर घाव सिला है।
क्लांत तन और तिक्त हृदय को
अब जाकर आराम मिला है...
जब भी दृग सोते हैं रजनी
सदा स्वप्न में तुम को देखा।
हृदय पटल पर अंकित रहती
तुम्हारे प्रेम की अमिट सी रेखा।
जादुई शक्ति तेरे प्रेम में
बंजर भू पर फूल खिला है।
क्लांत तन और तिक्त हृदय को
अब जाकर आराम मिला है...

जानें क्या होता है तंदुरुस्ती का असली राज

पिंकी सिंघल
शालीमार बाग दिल्ली

एक स्वस्थ जीवन जीने की इच्छा प्रत्येक व्यक्ति रखता है ।दुनिया में कोई भी व्यक्ति नहीं चाहता कि वह अस्वस्थ रहे ,बीमार रहे। अपने आप को बीमारियों से बचाने के लिए हम ना जाने कितने ही जतन करते हैं ,किन किन उपायों को अपनाते हैं और स्वस्थ जीने के स्वप्न को साकार करने के लिए हर संभव कोशिश भी करते हैं जो कि नितांत सराहनीय भी है। हम सभी की सदैव कोशिश रहनी चाहिए कि हम हर संभव प्रयत्न से अपने आप को बीमारियों से बचा कर रखें और एक स्वस्थ जीवन जीने की दिशा में समुचित कार्य करें। स्वस्थ जीवन जीने की चाहत तो हम सभी में होती है ,किंतु हम में से बहुत से लोग अभी भी इतने जागरूक और संवेदनशील नहीं हैं ,विशेषकर अपने स्वास्थ्य को लेकर।रोजमर्रा की भाग दौड़ भरी जिंदगी में हम इतना अधिक मशगूल हो जाते हैं कि हम दैनिक कार्यों में खो कर ही रह जाते हैं और अपनी ओर ध्यान ही नहीं दे पाते। यह सर्वथा गलत है ।अपने प्रति हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है जिसे हमें हर हाल में प्राथमिकता के आधार पर निभाना ही चाहिए।

अपने प्रति इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए हमें कुछ बातों का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए जिससे हम तंदुरुस्त रह सकें और समाज के लिए उपयोगी बन सकें। याद रहे, परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई कहलाती है। परिवार के प्रति जिस प्रकार हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं और समाज को अपना योगदान देते हैं उसी प्रकार हमें अपने प्रति अपने फर्ज को निभाना चाहिए और हमारा हमारे प्रति सबसे बड़ा फर्ज है अपने आप को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखना क्योंकि तभी हम समाज के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं ।एक बीमार और रुग्ण व्यक्ति समाज के लिए उपयोगी नहीं अपितु एक जिम्मेदारी ही मानी जाती है। लंबे समय तक बीमार रहने वाले व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखाई देते हैं और जीवन जीने के प्रति उनकी रुचि का ह्रास भी स्वतः ही धीरे धीरे होने लगता है। जीवन उनके लिए किसी बोझ से कम नहीं रह जाता और फिर शुरुआत होती है उनके जीवन में अनावश्यक दुखों और तकलीफों की।

तंदुरुस्ती शारीरिक ,सामाजिक,मनोवैज्ञानिक और मानसिक अनेक प्रकार की होती है। जिस प्रकार अपने शरीर को सुंदर दिखाने के लिए ,उसे आकृष्ट बनाने के लिए हम सुंदर सुंदर वस्त्रों को धारण करते हैं, उसी प्रकार अपने शरीर की आंतरिक स्वस्थता के लिए भी हमें सुंदर-सुंदर स्वादिष्ट और पोषक भोजन और खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए और उन सभी चीजों से अपने आप को दूर रखना चाहिए जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक समझे जाते हैं। इनमें अधिकतर तैलीय खाद्य पदार्थ, जंक फूड और तेज मसाले वाली चीजें आती हैं। अपने शरीर को समय-समय पर डिटॉक्सिकेट करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बरकरार रखने के लिए हमें कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए जिनमें से कुछ बातें इस प्रकार हो सकती हैः

1) सर्वप्रथम हमें अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाना चाहिए क्योंकि नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले व्यक्ति जीवन में सदैव असंतुष्ट रहते हैं और जीवन उनको किसी बोझ और अरुचिकर यात्रा से कम नहीं लगता।

2) दूसरों में कमियां और दोष निकालने की बजाय यदि हम उनकी अच्छाइयों को सराहने की अपनी आदत को विकसित करें तो जीवन जीना ना केवल आसान हो जाएगा,अपितु यह हमें सुंदर भी लगने लगेगा। प्रकृति के कण-कण में सुंदरता और अच्छाई ढूंढने की कोशिश करें ।कमियां खामियां निकालना जितना आसान होता है ,अच्छाइयों को उजागर करना उतना ही मुश्किल। परंतु हमें हर संभव कोशिश करनी चाहिए कि हम चीजों के उजले पक्ष को देखें और सराहें। ऐसा करना,अप्रत्यक्ष रूप से हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक लाभप्रद सिद्ध होता है।

3) नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम ,मेडिटेशन और योग करने से भी हमारे स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव दृष्टिगत होता है योग और मेडिटेशन करने से ना केवल शारीरिक और मानसिक स्वस्थता बढ़ती है ,अपितु जीवन जीने के प्रति हमारा नजरिया भी सुंदर और सकारात्मक हो जाता है ।इसलिए प्रतिदिन कुछ समय योग और व्यायाम के लिए अवश्य निकालें । योग करने से जीवन जीना सरल हो जाता है ,चेहरे पर चमक आती है और हमारा व्यक्तित्व प्रभावी और आकर्षक बन जाता है।इन सब के साथ ही हमारे आत्मविश्वास में भरपूर वृद्धि भी होती है।

4) स्वस्थ रहने के लिए केवल अच्छा खानपान ही पर्याप्त नहीं होता, अपितु इसके साथ साथ हमें अपने स्वास्थ्य की नियमित रूप से एक अच्छे चिकित्सक से जांच भी कराते रहना चाहिए ताकि सही समय पर ही हमें अपने स्वास्थ्य पर गलत असर डालने वाले अस्वस्थ कारकों का पता चलता रहे और अपने स्वास्थ्य पर पड़ने वाले उनके दुष्प्रभावों से हम खुद को समय रहते बचा सकें।

5) अच्छे खान-पान ,नियमित व्यायाम और योग के साथ-साथ हमें अपनी अच्छी आदतों को भी समय-समय पर विकसित करते रहना चाहिए। जिन कामों से हमें खुशी और संतुष्टि मिलती है उन कामों में हमें स्वयं को व्यस्त करना चाहिए। जैसे ः बागवानी ,कढ़ाई ,बुनाई ,बुक रीडिंग ,कुकिंग ,शॉपिंग, घूमना,कोई खेल खेलना,यात्रा करना,साइक्लिंग ,ड्राइविंग और इसी प्रकार की अन्य कोई भी गतिविधियां।

6) शरीर द्वारा महसूस की जाने वाली छोटी से छोटी दुख, तकलीफ,बीमारी और परेशानी को हमें इग्नोर नहीं करना चाहिए तुरंत उसका निदान और इलाज करने के लिए मेडिकल सलाह ले लेनी चाहिए। समस्या का समय पर पता लगाना अत्यंत आवश्यक होता है अन्यथा समस्याएं विकराल रूप धारण कर लेती हैं

7) मानसिक तंदुरुस्ती के लिए हमें उन लोगों से समय-समय पर मिलते रहना चाहिए जिन से मिलने पर हमारे भीतर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है, हमें मानसिक संतुष्टि मिलती है और हम आनंद का अनुभव करते हैं ।अपने मन को मार कर हमें कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिसका दुष्प्रभाव अप्रत्यक्ष तरीके से हमारे स्वास्थ्य पर पड़े।

8) हमें स्वयं को गलत आदतों से भी सदैव बचा कर रखना चाहिए। गलत आदतें हमारे जीवन जीने में बाधा उत्पन्न करती हैं ,समाज में हमारे सम्मान को कम करती हैं।जुआ,चोरी, नशा ,तंबाकू सेवन ,शराब का सेवन और इसी प्रकार की अन्य गंदी और गलत आदतों से हमें अपने आप को बचाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार की गलत आदतें स्लो पोइज़निंग का काम करती है और हमारे जीवन को तबाह कर देती हैं।

उपरोक्त छोटी-छोटी किंतु बेहद महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखकर हम अपने स्वास्थ्य को संवार सकते हैं और अपने जीवन को सुंदर सरल सहज और स्वस्थ बना सकते हैं यह हमारे लिए हमारे द्वारा दिया गया सबसे अनमोल तोहफा भी साबित हो सकता है। यदि हम वास्तविक अर्थों में समाज के लिए ,अपने राष्ट के लिए कुछ उपयोगी और सार्थक करने की चाह रखते हैं तो हमें अपने आपको समाज के लिए हितकारी बनाने के लिए प्रयास करने होंगे और उन प्रयासों में सफलता हासिल करने के लिए हमें जी जान से एक ईमानदार कोशिश भी करनी होगी।

बच्चों को गुस्सा क्यों आता है?

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

बच्चों की तुलना गुलाब के फूल से की गई है क्योंकि बच्चे मासूम, सच्चे, भोले, प्यारे, प्रियदर्शी तथा मुस्कुराहट से भरपूर चेहरे वाले होते हैं। बहुत सारे लोगों को बच्चों के भोलेपन में परमात्मा के दर्शन होते हैं। लेकिन आजकल के बच्चे इस सब के विपरीत गुस्सैल, जिद्दी, अहंकारी, बात बात पर झूठ बोलने वाले, शरारती, चिड़चिड़े तथा बड़ों की अवज्ञा करने वाले देखे जा सकते हैं। अधिकांश बच्चे तनावग्रस्त देखे जा सकते हैं। अधिकांश माता-पिता को अपने बच्चों के बारे में यह शिकायत होती है कि उनके बच्चों को गुस्सा बहुत आता है। अधिकांश बच्चे आजकल मनमानी भी करने लगे हैं। जब तक सब बातें उनके अनुसार होती रहे तो ठीक है, वरना उनके धैर्य का बांध टूट जाता है और क्रोध में आकर मुट्ठियां भींच लेते हैं, जोर जोर से बोलना शुरू कर देते हैं, चीजों को इधर-उधर फेंकना या तोड़ना शुरू कर देते हैं। यही कारण है कि आजकल छोटे छोटे बच्चों को भी उच्च रक्तचाप की शिकायत होने लगी है। गुस्सा होने की शिकायत छोटे से बड़े सभी बच्चों में देखने को मिलती है।

अब सवाल यह पैदा होता है कि बच्चों को गुस्सा क्यों आता है? जब बच्चा पैदा होता है तो उसे मां ही पालती पोसती है, बच्चा उसी के साथ रहने का आदी हो जाता है। अतः जब कभी भी उसे मां के अलावा और कोई उठाता है तो उसे गुस्सा आ जाता है। कई बार उसका मनपसंद खिलौना उस से छीन लिया जाए तब भी उसे गुस्सा आ जाता है! फिर जब बच्चा बड़ा होता है, अपने मां-बाप से बिछड़ता है तो उसे बहुत दुख होता है और गुस्सा भी आता है। स्कूल में सब उसे बेगाने बेगाने से लगते हैं। घर आकर सारा गुस्सा माता पिता पर निकालता है। धीरे-धीरे उसका मन स्कूल में लगने लगता है लेकिन ढेर सारा होमवर्क, , बार बार होने वाले क्लास टेस्ट उसे परेशान कर देते हैं। कई बार स्कूल में उससे शिक्षक ऐसे प्रश्न पूछ लेते हैं जिनका वह उत्तर नहीं दे पाता। वह अपने आप को अपमानित तथा सभी की हंसी का पात्र समझकर मन ही मन जलता भुनता रहता है। कई बार उसे इतना होमवर्क दे दिया जाता है जिससे कि वह कर नहीं पाता। कई बार तो इस मामले में उसके माता-पिता भी उसकी मदद नहीं कर पाते। वह इस बात से क्रोधित हुआ ही रहता है। कई बार घर में मेहमान आते हैं। उसका मन ड्राइंग रूम में मेहमानों के साथ बैठने, बातें करने को होता है तथा उसके माता-पिता की बातें सुनने को होता है लेकिन उसके माता-पिता उसे यह कह कर वहां से भगा देते हैं..... बेटा जाओ, अपना होमवर्क करो.....। इससे उसका गुस्से होना स्वाभाविक है। कई बार कुछ नासमझ माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई में कमजोर होने, देर तक सोए रहने, कहना ना मानने, छोटे भाई बहनों को तंग करने या पीटने की शिकायत करते हैं जिससे बच्चे अपने आप को अपमानित समझ पर क्रोधित हो जाते हैं। कई बार कुछ माता-पिता अपने बच्चों को उनकी लापरवाही तथा छोटी-छोटी गलतियों के लिए टोका टाकी करते रहते हैं जिससे बच्चा अपने संयम को खो देता है तथा क्रोधित हो जाता है। कई बार बच्चों को जेबखर्ची बहुत कम मिलती है। स्कूल में अन्य बच्चों को ज्यादा पैसा खर्च करके ज्यादा चीजें खाते पीते देखकर उसे अपने माता-पिता पर बहुत गुस्सा आता है। गुस्से का एक कारण बच्चे के माता पिता का कामकाजी होना भी है । ऐसे में बच्चा अपने माता-पिता के लाड प्यार, अच्छे संस्कारों, मां के हाथों की रोटी, होमवर्क में सहायता, स्कूल से वापस आने पर उसका हाल चाल पूछने आदि से वंचित रह जाता है। उसे जीवन का खालीपन महसूस होता है। कंप्यूटर, वीडियो गेम, मोबाइल, न्यूडल्स, पिज़्ज़ा, बर्गर, चौमिन, पेप्सी आदि भी उत्पन्न गुस्से को शांत नहीं कर पाते। कई बार बच्चा अपने माता पिता को आपस में लड़ते झगड़ते और मारपीट करते हुए देखता है तो उसे बहुत दुख होता है और गुस्सा भी आता है। परंतु बेचारा कुछ कर नहीं पाता। कई बार उसे खेलने के लिए समय या साथी नहीं मिलते जिससे वह जलता भुनता तथा कुढ़ता रहता है। ऐसे में बचपन की हंसी, खुशी, मासूमियत, मुस्कुराहट आदि ना मिलने के कारण उसके लिए जिंदगी एक बोझ बन जाती है और उसे क्रोध आए बिना नहीं रहता।

बच्चों की मुस्कुराहटें, मिठास, भोलापन, हंसी खुशी को वापस लाने का यही तरीका है कि माता-पिता बच्चों की समस्याओं को समझें, होमवर्क में सहायता करें, उनके साथ हंस खेलकर समय बिताएं, अच्छे संस्कार और शिक्षा दें, उनके मित्र बने, अपने बचपन की अच्छी बातें उन्हें बता कर अपने में दिलचस्पी पैदा करें, अपने सामर्थ्य के अनुसार उचित जेब खर्ची दें। अगर कोई गंभीर समस्या हो तो अच्छे मनोवैज्ञानिक को दिखाएं तो बच्चों के साथ सब ठीक हो जाएगा। बच्चे देश का भविष्य होते हैं इनका खुश, तंदुरुस्त तथा समझदार होना जरूरी है।

भारत प्लास्टिक मुक्त कैसे हो?

प्लास्टिक पर एक जुलाई से सरकार ने प्रतिबंध तो लागू कर दिया है लेकिन उसका असर कितना है? फिलहाल तो वह नाम मात्र का ही है। वह भी इसके बावजूद कि 19 तरह की प्लास्टिक की चीजों में से यदि किसी के पास एक भी पकड़ी गई तो उस पर एक लाख रु. का जुर्माना और पांच साल की सजा हो सकती है। इतनी सख्त धमकी का कोई ठोस असर दिल्ली के बाजारों में कहीं दिखाई नहीं पड़ा है।

अब भी छोटे-मोटे दुकानदार प्लास्टिक की थैलियां, गिलास, चम्मच, काड़िया, तश्तरियां आदि हमेशा की तरह बेच रहे हैं। ये सब चीजें खुले-आम खरीदी जा रही हैं। इसका कारण क्या है? यही है कि लोगों को अभी तक पता ही नहीं है कि प्रतिबंध की घोषणा हो चुकी है। सारे नेता लोग अपने राजनीतिक विज्ञापनों पर करोड़ों रुपया रोज खर्च करते हैं। सारे अखबार और टीवी चैनल हमारे इन जन-सेवकों को महानायक बनाकर पेश करने में संकोच नहीं करते लेकिन प्लास्टिक जैसी जानलेवा चीज़ पर प्रतिबंध का प्रचार उन्हें महत्वपूर्ण ही नहीं लगता। नेताओं ने कानून बनाया, यह तो बहुत अच्छा किया लेकिन ऐसे सैकड़ों कानून ताक पर रखे रह जाते हैं। उन कानूनों की उपयोगिता का भली-भांति प्रचार करने की जिम्मेदारी जितनी सरकार

की है, उससे ज्यादा हमारे राजनीतिक दलों और समाजसेवी संगठनों की है। हमारे साधु-संत, मौलाना, पादरी वगैरह भी यदि मुखर हो जाएं तो करोड़ों लोग उनकी बात को कानून से भी ज्यादा मानेंगे।

प्लास्टिक का इस्तेमाल एक ऐसा अपराध है, जिसे हम 'सामूहिक हत्या' की संज्ञा दे सकते हैं। इसे रोकना आज कठिन जरुर है लेकिन असंभव नहीं है। सरकार को चाहिए था कि इस प्रतिबंध का प्रचार वह जमकर करती और प्रतिबंध-दिवस के दो-तीन माह पहले से ही 19 प्रकार के प्रतिबंधित प्लास्टिक बनानेवाले कारखानों को बंद करवा देती। उन्हें कुछ विकल्प भी सुझाती ताकि बेकारी नहीं फैलती। ऐसा नहीं है कि लोग प्लास्टिक के बिना नहीं रह पाएंगे। अब से 70-75 साल पहले तक प्लास्टिक की जगह कागज, पत्ते, कपड़े, लकड़ी और मिट्टी के बने सामान सभी लोग इस्तेमाल करते थे।

पत्तों और कागजी चीज़ों के अलावा सभी चीजों का इस्तेमाल बार-बार और लंबे समय तक किया जा सकता है। ये चीजें सस्ती और सुलभ होती हैं और स्वास्थ्य पर इनका उल्टा असर भी नहीं पड़ता है। लेकिन स्वतंत्र भारत में चलनेवाली पश्चिम की अंधी नकल को अब रोकना बहुत जरुरी है। भारत चाहे तो अपने बृहद अभियान के जरिए सारे विश्व को रास्ता दिखा सकता है।

-वेद प्रताप वैदिक-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पढ़ाई में कमजोर 11 वर्षीय बच्ची का किताब लेकर शिक्षिका ने भेजा घर

क्षुब्ध बच्ची 15 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंची घर हुई बीमार

-मनोज कुमार-
लखनपुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
समाज के निर्माण में शिक्षक का अहम योगदान होता है शिक्षक छात्रों को सही राह दिखाने से लेकर उन्हें सही गलत में अंतर समझाने के लिए तैयार करते हैं। इन्हीं के सम्मान में हर साल 5 सितंबर को सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के मौके पर देश भर में शिक्षक दिवस मनाया जाता है हालांकि कुछ टीचर ऐसे भी हैं जिन्होंने अपनी हरकतों से गुरु शिष्य के रिश्ते और शिक्षा जगत को शर्मिंदा किया है कुछ ऐसा ही मामला लखनपुर गवर्नमेंट सीबीएसई इंग्लिश मीडियम स्कूल में देखने को मिला जहां एक शिक्षिका द्वारा छठवीं कक्षा की 11 वर्षीय बच्ची को पढ़ाई में कमजोर हो कहकर किताब लेकर उसे घर जाने के लिए कह दिया। जिससे छुब्ध होकर 11 वर्षीय बच्ची 15 किलोमीटर पैदल सफर कर किसी तरह अपने घर पहुची और बीमार हो गई। ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए सरकार द्वारा शहर मैं संचालित इंग्लिश मीडियम स्कूल में दाखिला दिला रहे हैं। जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके तो वही ग्राम चैनपुर निवासी एक पिता करिया राम कौशिक ने अपने 11 वर्षीय बच्ची को लखनपुर गवर्नमेंट सीबीएसई इंग्लिश मीडियम स्कूल में दाखिला दिलाया ताकि उसकी बच्ची को बेहतर शिक्षा मिल सके। लेकिन एक पिता के उम्मीद पर उस वक्त पानी फिर गया

जब सीबीएससी स्कूल की शिक्षिका ने उसकी बच्ची को पढ़ने में कमजोर है कहकर किताब वापस लेकर घर जाने के लिए कह दिया। जब पिता स्कूल अपने बच्ची को लेने पहुंचे तो बच्ची स्कूल में नहीं थी। जिसके बाद पिता अपनी बच्ची को ढूंढते रहे शाम लगभग 4:00 बजे उन्हें पता चला कि 15 किलोमीटर पैदल सफर कर उनकी बच्ची घर पहुंची और अपने परिजनों को स्कूल जाने से साफ मना कर दिया। स्कूल जाने से मना करने उपरांत और बच्ची के साथ हुई घटना के बाद से बच्ची के माता-पिता दोनों चिंतित हैं।

परिजनों ने शिक्षिका पर लगाया आरोप

11 वर्षीय बच्ची के पिता करिया राम कौशिक के द्वारा शिक्षिका पर आरोप लगाते हुए कहा गया कि स्कूल की शिक्षिका द्वारा बच्ची से पुस्तक लेकर उसे घर जाने के लिए बोला गया छुब्ध होकर बच्ची 15 किलोमीटर पैदल चलकर शाम 4:00 बजे घर पहुंची और बीमार हो गई।स्कूल नहीं जाने की बात कही। बच्ची के साथ हुए घटना को लेकर परिजन चिंतित है ।

इस संबंध में गवर्नमेंट सीबीएससी इंग्लिश मीडियम स्कूल की शिक्षिका जयंती एक्का से चर्चा करने पर उनके द्वारा कहा गया कि बच्ची के पिता से बात हुई थी कि बच्चे पढ़ाई में कमजोर है और वह सीबीएससी कोर्स का निर्वहन कर सकेगी या नहीं जिसे लेकर उन्होंने छुट्टी उपरांत ही बच्ची से पुस्तक लिया और उसे घर जाने को कहा साथ ही उन्होंने अपनी गलती स्वीकार किया कि मुझे इस तरीके से बच्ची से पुस्तक नहीं लेना चाहिए था।
जयंती एक्का
शिक्षिका

मौसी के घर से वापस लौटे महाप्रभु जगन्नाथ,जमकर हुआ स्वागत

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
। परंपरा अनुसार नौ दिनों तक मौसी के घर रहने के बाद महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की घर वापसी हो गई। शनिवार को श्रद्धालु बाजे-गाजे व भजन-कीर्तन के साथ महाप्रभु को रथ में लेकर उनके घर पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने महाप्रभु सहित बलभद्र व सुभद्रा का स्वागत किया। वापसी के समय भी रथ को खींचने लोगों में खासा उत्साह रहा। देर शाम को केदारपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर यात्रा सम्पन्न हुई। केदारपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर से नौ दिन पहले महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा के साथ मौसी के घर पहुंचे थे। उत्कल समाज द्वारा देवीगंज रोड स्थित दुर्गा बाड़ी में परम्परागत तरीके से मौसी का घर बनाया गया था। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं द्वारा महाप्रभु सहित बलभद्र व सुभद्रा की पूजा अर्चना की जा रही थी। नौ दिनों बाद परम्परागत ढंग से महाप्रभु की वापसी हुई। मौसी के घर सुबह महाप्रभु की विशेष पूजा-अर्चना हुई। शाम को भगवान की प्रतिमा को फूलों से सजे रथ पर स्थापित कर रथयात्रा निकाली गई।

जगह-जगह हुआ रथयात्रा का स्वागत

घर वापसी के दौरान भी महाप्रभु के रथ को खींचने श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा। युवा, महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग मौसी के घर से रथ को खींचकर केदारपुर स्थित मंदिर तक ले गए। इस दौरान जगह-जगह रथयात्रा का श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया। भजन-कीर्तन व ढ़ोल, नगाड़े की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

फरार तीनों अपचारी बालक को किया गया बरामद

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
6 जुलाई की रात को सुरक्षा प्रहरी को चकमा देकर बाल संप्रेक्षण गृह अंबिकापुर से कोरोना संक्रकित तीन अपचारी बालक फरार हो गए थे। संवेदनशीलता बरतते हुए सरगुजा पुलिस ने रेस्क्यू कर तीनों बालकों को बरामद कर लिया गया है।
जानकारी के अनुसार अंबिकापुर बाल संप्रेक्षण गृह में लगभग दो दर्जन से अधिक अपचारी बालक कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सभी संक्रमित बालकों को चिकित्सा कक्ष में रखा गया था। 6 जुलाई की रात को मौके का फायदा उठाकर तीन अपचारी बालक बाल संप्रेक्षण गृह से भाग गए थे। बाल संप्रेक्षण गृह प्रभारी द्वारा इसकी जानकारी गांधीनगर पुलिस को दी गई थी। पुलिस फरार अपचारी बालकों की तलाशी शुरू कर दी थी। पुलिस द्वारा फरार तीनों बालकों की पूरी जानकारी बाल संप्रेक्षण गृह से ली गई। पुलिस ने एक बाल अपचारी को अजिरमा से एवं दो बाल अपचारियों को बैकुंठपुर एवं चिरमिरी से रेस्क्यू कर वापस बाल संप्रेक्षण गृह लाया गया।

स्कॉर्पियो की टक्कर से एक युवक की मौत,दूसरा गंभीर

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
अखोरा चौक के पास शुक्रवार की शाम को स्कॉर्पियो ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया।
जानकारी के अनुसार अखिलेश यादव पिता तिरथ यादव उम्र 25 वर्ष भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बरौंधी का रहने वाला था। शुक्रवार को अपने चचेरे भाई खेल साय के साथ बाइक से ससुराल केपी गया था। वहां से दोनों वापस घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में अखेरा चौक के पास स्कॉर्पियो क्रमांक सजी 12 एजी 9929 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने अखिलेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं खेल साय का इलाज चल रहा है।

शराब विक्रेता गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
कोतवाली पुलिस ने आठ लीटर महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शहर के जैनातालाब का रहने वाला है। वह घर के आस पास महुआ शराब बेच रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रवि सिंह के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

90 हजार के गांजा व 75 हजार के नशीली इंजेक्शन के साथ दो गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
. सरगुजा में नशा उन्मूलन के तहत विशेष अभियान नवाबिहान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों द्वारा नशे के खिलाफ कड़े कार्रवाई के निर्देश थाना व चौकी प्रभारियों को दिए गए हैं। इसी अभियान के तहत दरिमा पुलिस ने शनिवार को 9 किलो अवैध गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। जब्त गांजे की कीमत 90 हजार रुपए बताई जा रही है। वहीं अंबिकापुर पुलिस द्वारा 75 हजार के नशीली इंजेक्शन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।
जानकारी के अनुसार 8 जुलाई को दरिमा थाना पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की क्षेत्र में एक व्यक्ति लाल रंग के पिठ्ठू बैग में गांजा रखकर बिक्री हेतु इगईपारा रोड में ग्राहक की

तलाश कर रहा है। दरिमा थाना प्रभारी ने इसकी जानकारी एसपी भावना गुप्ता को दी। एसपी के निर्देश पर व एएसपी विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में सीएसपी अखिलेश कौशिक व थाना प्रभारी दरिमा के नेतृत्व में टीम गठित किया गया। मुखबिर के बताए अनुसार टीम इंगईपारा रोड में घेराबंदी कर उक्त व्यक्त को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने जब उसकी बैग की तलाशी ली तो बैग में 9 किलो गांजा पाया गया। जिसकी कीमत 90 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने गांजे के जब्त कर आरोपी जसवंत पिता सोहर लाल उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम बरगवां थाना दरिमा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 20 बी एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल दखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक अंजू चेलक उप निरीक्षक अनिल सोनवानी, सहायक उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, आरक्षक अतुल सिंह, सोनू फिरदौसी, भूपेंद्र सिंह संजय केरकेट्टा राजीव कुमार शामिल रहे।
नशीली इंजेक्शन बेचने ग्राहक की कर रहा था तलाश
इधर कोतवाली व उनकी टीम द्वारा शहर के गौरव पथ से मुखबिर की सूचना पर 75 हजार रुपए के नशीली इंजेक्शन के साथ बाइक सवार एक युवक को गिरफ्तार किया है। कोतवाली टीआई भारद्वाज सिंह को मुखबिर से जानकारी मिली की शहर के गौरव पथ में एक बाइक सवार कत्थे रंग के बैग में नशीली इंजेक्शन बिक्री करने के लिए बाइक से ग्राहक की तलाश कर रहा है। टीआई ने बस स्टैंड सहायता केन्द्र प्रभारी अभिषेक पांडेय व उनकी टीम की मदद से घेराबंदी कर आरोपी अमित हालदार आत्मज बाबू हालदार निवासी ग्राम नेहरू नगर तातापानी जिला बलरामपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 75 हजार रुपए के नशीली इंजेक्शन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अज्ञात व्यक्तियों ने तोड़ा गर्ल्स महाविद्यालय के बाथरूम का दरवाजा

-नगर संवाददाता-
रामानुजगंज 09 जुलाई 2022 (घटती घटना)। लरंगसाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा गर्ल्स महाविद्यालय के बाथरूम का दरवाजा तोड़े जाने के संबंध में लिखित शिकायत रामानुजगंज थाना प्रभारी को की गई है। लोक निर्माण विभाग ने ठेकेदार के माध्यम से लरंगसाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। वही अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा ठेकेदार को बदनाम करने की नियत से गर्ल्स महाविद्यालय के बाथरूम का एलुमिनियम युक्त दरवाजे को क्षतिग्रस्त करते हुए यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि लोक निर्माण विभाग के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कराए गए अच्छे कार्य को गलत साबित करने का प्रयास किया गया है।मुंशी हामिद अंसारी ने अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग करते हुए आवेदन के प्रतिलिपी कार्यपालन अभियंता लोकनिर्माण विभाग सभांग रामानुजगंज के समक्ष भी प्रस्तुत किया गया है।

विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
स्वामी आत्मानंद स्कूल धौरपुर में विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। इसमें हायर सेक्शन में स्कूल कैप्टन उज्जवल पांडे कक्षा ग्यारहवीं बालिका वर्ग अनुष्का सोनी एवं मिडिल सेक्शन में अंश राज मिश्रा कक्षा 7 वी में एवं स्वेच्छा यादव कक्षा आठवीं का चयन किया गया। विद्यालय के विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए चार समूह में बच्चो को विभाजित किया गया है। हायर सेक्शन में अरपा हाउस पियूष अग्रवाल व साक्षी गुप्ता मिडिल वर्ग से प्रियांशु ,अनुभव व स्नेहा आस्था इंद्रावती हाउस शिवांश मानिकपुरी व सुनीता सिंह मिडिल वर्ग से राहुल ,आयुष ,कृतिका, वैष्णवी

महानदी हाउस सबीन सिंह व पूजा यादव मिडिल वर्ग से रविशंकर आयुषी, स्वेच्छा, शिवनाथ हाउस जुबेर अंसारी अनन्या सिंह मिडिल वर्ग से शिवचरण श्रेया, चित्रांशी, खुशी को बनाया गया एवं विभिन्न कक्षा नायकों, सांस्कृतिक प्रभारी स्पोर्ट्स प्रभारी एवं अन्य दायित्वों का चयन किया गया और उनको प्राचार्य अमित सिंह द्वारा शपथ दिलाया गया एवं विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने को कहा गया हायर सेक्शन विद्यार्थी परिषद प्रभारी शिक्षक कुमारी अनमोल सिंघल, विष्णु प्रसाद , मुरली चौहान मिडिल सेक्शन से विद्यार्थी परिषद प्रभारी शिक्षक आशित टोप्पो ,राहुल विश्वकर्मा, सलमा फरहीन, सुभव्रत इंद्र द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार किया गया जिसमें विद्यालय के शिक्षक अमित कुमार एवं आशीत टोप्पो द्वारा मार्च पास्ट का संचालन मंच का संचालन अनमोल सिंघल द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राशन कार्ड धारियों को नहीं मिला अप्रैल मई महीने का अतिरिक्त चावल

-मनोज कुमार-
लखनपुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
केंद्र सरकार के द्वारा राशन कार्ड में शामिल परिवार के प्रत्येक सदस्य को पांच 5 किलो चावल देने की घोषणा कोरेना काल मे की थी 2 वर्ष बाद मार्च 2022 में इसे बंद करने की योजना थी पर केंद्र सरकार के द्वारा इस योजना को सितंबर 2022 तक बढ़ा दिया गया। केंद्र सरकार द्वारा अप्रैल मई और जून मैं हितग्राहियों को आर्वटित किए गए अतिरिक्त चावल का घोटाला करने का मामला सामने आया है। पूरा मामला लखनपुर थाना क्षेत्र व उदयपुर विकासखंड के ग्राम चैनपुर का है। जहां सोसायटी संचालक उप सरपंच के द्वारा केंद्र सरकार द्वारा अप्रैल मई और जून में दिए गए अतिरिक्त चावल का सैकड़ों हितग्राहियों को वितरण नहीं किया गया। अतिरिक्त चावल के वितरण में गड़बड़ी मामला ग्रामीणों के सामने आया तो सोसाइटी संचालक के द्वारा आनन-फानन में जुलाई माह में आधे अधूरे राशन कार्ड धारियों को अप्रैल और मई महीने का अतिरिक्त चावल का

वितरण किया गया है। वही ग्रामीणों का आरोप है कि सोसायटी संचालक के द्वारा अतिरिक्त चावल में गड़बड़ी की गई थी। आधे अधूरे राशन कार्ड धारियों को अतिरिक्त चावल का वितरण जुलाई माह में किया गया है तो वहीं दर्जनों हितग्राहियों को अभी तक अतिरिक्त चावल का वितरण नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने आशंका जताते हुए कहा कि पूर्व में भी केंद्र सरकार द्वारा आए हुए अतिरिक्त चावल हम हितग्राहियों को वितरण करने में सोसाइटी संचालक के द्वारा गड़बड़ी की गई होगी जिसकी सूक्ष्म जांच होनी चाहिए। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा प्रत्येक कार्ड धारी को 35 किलो चावल तो दिया ही जा रहा है तो वहीं केंद्र सरकार भी करोना काल से परिवार के प्रत्येक सदस्य के नाम पर 5 किलो चावल आर्वटित कर रही है केंद्र सरकार मार्च 2022 में इस योजना को बंद करने वाली थी पर इसे सितंबर 2022 तक बढ़ा दिया गया इसकी जानकारी लोगों को नहीं हो पाई इसका फायदा राशन दुकान संचालक ने उठाया और अप्रैल मई और जून महीने का केंद्र सरकार द्वारा आर्वटित 5-5 किलो चावल खा गए।

ग्राम चैनपुर के वर्तमान सोसायटी संचालक रायधान जांगड़े के द्वारा बताया गया कि 2 माह से मेरे द्वारा राशन का वितरण किया जा रहा है सभी हितग्राहियों को मेरे द्वारा चावल का वितरण किया जा रहा है। पूर्व में गांव के ही समूह द्वारा सोसाइटी का संचालन किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड में देखने के बाद यह लगता है कि पूर्व में अतिरिक्त चावल का वितरण नहीं किया गया होगा।
रायधन जांगड़े
सोसायटी संचालक

भाजयुमो के दम पर ही इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेकेंगे

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
भाजपा कार्यालय संकल्प भवन में भाजयुमो नगर कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई यह बैठक युवा मोर्चा के द्वारा प्रदेश स्तरीय होने वाले आंदोलन व जनता के बीच जाकर युवाओं के बीच जाकर बेरोजगारी भत्ता और रोजगार के विषय को लेकर लगातार आंदोलन के विषय को लेकर यह कार्य योजना बैठक की गई जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा भाजपा की रीड की हड्डी है भाजयुमो युवा मोर्चा के दम पर ही हम इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेकेंगे और आने वाले चुनाव में युवा मोर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी और मुझे पूरा विश्वास है युवा मोर्चा लगातार जनहित मुद्दों पर

सदैव आंदोलन करती रही है इसके पश्चात भाजपा के जिला मंत्री विकास पांडे जी का भी मार्गदर्शन मिला एवं नगर मंडल के प्रभारी संजीव वर्मा जी द्वारा युवा मोर्चा के वन बूथ ट्वेंटी यूथ के बारे में जानकारी ली और युवा मोर्चा को कमर कस कर तैयार रहने को कहा इसके पश्चात सह प्रभारी हर्ष जयसवाल जी का भी उद्बोधन हुआ एवं नगर के अध्यक्ष निशांत सिंह जीने भी अपनी पूरी नगर की टीम को कमर कस के तैयार रहने को कहा और आने वाले समय में लगातार आंदोलन और उग्र रूप से युवा मोर्चा की उपस्थिति दर्ज होगी ऐसा विश्वास दिलाया इस पूरे कार्यक्रम में मंच संचालन नगर के महामंत्री दीपक यादव जी ने किया एवं आभार प्रदर्शन महामंत्री रवि सोनी जी ने किया इस बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविकांत उरांव जी नगर के उपाध्यक्ष मोंटी यादव , राहुल मंडल,रिशु अम्बस्ट, सौरव मिश्रा मंत्री रजनीश सिंह, मनीष दुबे अभिजीत पांडे,ऋषभ त्रिपाठी ,दीपू पांडे मनीष सिंह ,सानू तिवारी ,विक्की यादव, विष्णु देव पांडे ,आशीष अग्रवाल, सागर युवराज बेहरा ,हनी दुबे अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मां महामाया फाउंडेशन ने कराया छात्रों के लिए अहम आयोजन

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
माता राजमोहनी देवी भवन में शहर की प्रमुख संस्था मां महामाया फाउंडेशन के द्वारा मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया ।जिसमें शहर के कई नामी स्कूलों के सैकड़ों छात्र -छात्राएं को शामिल होने का मौका मिला.. वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि के तौर पर विवेकानंद विघालय के स्वामी तंमयनंद जी महाराज और शहर महापौर डॉ अजय तिर्की शामिल हुए। वहीं विवेकानंद व सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य भी मौजूद थे। साथ शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए.. सेमिनार के दौरान मोटिवेशन स्पीकर संदीप श्रीवास्तव से विद्यालय के छात्र छात्राओं ने अपने परेशानियों का हल सीखा, जैसा परीक्षा के डर को कैसे ख़त्म करें, डिप्रेसन कैसे ना होने दे, टाइम मैनेजमेंट, सही फ्रेंड सर्किल का चुनाव कैसे करें साथ ही परीक्षा संबंधी कई विषयों पर होने वाले समस्याओं का छात्रों को समाधान बताया गया। आयोजक माँ महामाया फाउंडेशन के अध्यक्ष ने सोनू केदार ने बताया कि बीते दो सालों से कोरेना महामारी की वज़ह से सभी शिक्षण संस्थानें बंद थी। ऐसे में बच्चे मोबाइल की तरफ़ ज्यादा आकर्षित हो गए हैं। पढ़ाई में रुझान कम देखने को मिल रहा है और बच्चे मोबाइल की दुनिया में खोते जा रहे हैं। जिसकी वजह से बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। हमारी संस्था ने छात्रों के मानसिक व शैक्षिक विकाश के लिए आरम्भ सेमिनार का आयोजन करने का फैसला लिया है। माँ महामाया फाउंडेशन द्वारा यह आयोजन बिना किस शुल्क के राज्य के कई जिलों में कराया जाएगा जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्रों को लाभ हो सके और छात्र जीवन मे होने वाले कई बड़े परेशानियों का हल फाउंडेशन द्वारा छात्रों को समय रहते दिया जा सके।
आपको बता दें कि मोटिवेशन स्पीकर संदीप श्रीवास्तव ने कई राज्यों के विघालयों में छात्रों के लिए कई अहम सेमिनार लिए हैं। ज्ञात हो कि आयोजित मां महामाया फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम आरंभ में स्पीकर संदीप श्रीवास्तव ने अपना सौंवा सेशन सफ़लता पूर्वक पूर्ण किया।

भालू ने एक व्यक्ति पर किया हमला

-नगर संवाददाता-
उदयपुर,09 जुलाई 2022(घटती-घटना)।
वन परिक्षेत्र उदयपुर अंतर्गत आने वाले उदयपुर नगर में दिनदहाड़े भालू के हमले से एक व्यक्ति घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी उदयपुर में भर्ती कराया गया । विदित हो कि वन परिक्षेत्र उदयपुर में विगत कुछ दिनों से जंगली जानवरों का आतंक अपने चरम पर है ग्राम घाटबर्रा सहित अन्य जगहों पर तेंदुए के हमले से कई मवेशी अपनी जान गवा चुके हैं वन अमला द्वारा इसकी निगरानी के लिए जंगलों में कैमरा भी लगवाया रहा है। इसी बीच शनिवार को सुबह उदयपुर नगर में भालू के घुस जाने से हड़कंप मच गया भालू को सबसे पहले स्थानीय निवासी राधेश्याम जायसवाल तथा देशराज अग्रवाल की बाड़ी में देखा गया। लोगों द्वारा बाड़ी में भालू होने की सूचना पर वन अमला वनपाल गिरीश बहादुर सिंह के नेतृत्व में तत्काल मौके

पर पहुंचे तथा उनके द्वारा भालू की निगरानी की जाने लगी। लोगों की आवाज सुनकर भालू रेंज ऑफिस होते हुए नगर के मध्य से निकलते हुए बीच बस्ती में अतिबल सिंह की घर की बाड़ी में पहुंच गया। वन अमला रेस्क्यू टीम पीछे पीछे लगा रहा लेकिन इस दौरान बाड़ी में काम कर रहे अतिबल सिंह के ऊपर भालू ने हमला कर दिया जिससे उसके हाथ में गंभीर चोटें आई परिजनों एवं वन अमला द्वारा चीख-पुकार की आवाज सुनकर भालू को जंगल की ओर भगाया गया तथा घायल वृद्ध को उपचार हेतु सीएचसी उदयपुर में दाखिल कराया गया।
रेंजर सपना मुखर्जी के मार्गदर्शन में वनपाल गिरीश बहादुर सिंह अपने रेंज ऑफिस के तीन चौकीदारों के साथ भालू को रामगढ़ जंगल की ओर भगाकर सीधे अस्पताल पहुंचे तथा भालू के हमले से घायल अतिबल सिंह के परिजनों को तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल प्रदान की गई।

रुपये में गिरावट के बीच 5 अरब डॉलर घटा भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। भारतीय रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों से पता चलता है कि 1 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 अरब डॉलर घटकर 588.314 अरब डॉलर हो गया। पिछले सप्ताह में लगातार तीन सप्ताह की गिरावट के बाद भंडार 2.734 बिलियन डॉलर बढ़कर 593.323 बिलियन डॉलर हो गया था।

पहले से कितना घट गया भंडार

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारत की विदेशी मुद्रा संपत्ति, जो विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक है, वह 1 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान 4.47 अरब डॉलर घटकर 524.745 अरब डॉलर हो गई। इसके अलावा, सोने का भंडार 504 मिलियन डॉलर घटकर 40.422 बिलियन डॉलर हो गया, विशेष आहरण अधिकार 77 मिलियन डॉलर गिरकर 18.133 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ देश की आरक्षित स्थिति 44 मिलियन डॉलर बढ़कर 5.01 बिलियन डॉलर हो गई।

आपको बता दें कि 27 मई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा (स्नङ्ग) भंडार लगभग 3.9 बिलियन डॉलर बढ़कर 600 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया। यह राहत भरी खबर तब आई थी, जब ग्लोबल मार्केट में फ्यूल की कीमतें काफी बढ़ी हुई हैं। हालांकि, उसके बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट देखी जा रही है

क्या होता है विदेशी मुद्रा भंडार

विदेशी मुद्रा या विदेशी मुद्रा भंडार अनिवार्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्राओं में आरक्षित के रूप में रखी गई संपत्ति है, जिसका इस्तेमाल आर्थिक संकट में किया जाता है। आमतौर पर इसका यूज एक्सचेंज दर का समर्थन करने और मौद्रिक नीति बनाने के लिए किया जाता है। भारत के मामले में विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर, सोना और विशेष आहरण अधिकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का कोटा शामिल है। कुछ केंद्रीय बैंक अपने अमेरिकी डॉलर के भंडार के अलावा ब्रिटिश पाउंड, यूरो, चीनी युआन या जापानी येन को भी अपने भंडार में रखते हैं।

ट्विटर की बड़ी घोषणा,44 अरब का अधिग्रहण सौदा खत्म करने को लेकर मस्क पर दर्ज करेगा मुकदमा

सैन फ्रांसिस्को ,09 जुलाई 2022। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने 44 अरब डॉलर के अधिग्रहण सौदे को समाप्त कर दिया है, इसको लेकर अब माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने शनिवार को घोषणा की वह मस्क पर मुकदमा दर्ज करेगा। एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए मस्क की कानूनी टीम ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि वह सौदे को समाप्त कर रहा है, क्योंकि ट्विटर उनके समझौते के भौतिक उल्लंघन में था और

बातचीत के दौरान झूठे और भ्रामक बयान दिए थे।

ट्विटर के अध्यक्ष ब्रेट टेलर ने एक ट्वीट में कहा, बोर्ड मस्क के साथ सहमत कीमत और शर्तों पर लेनदेन को बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है और विलय समझौते को लागू करने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि हम डेलावेयर कोर्ट ऑफ चांसरी में जीत हासिल करेंगे। मस्क ने प्लेटफॉर्म पर स्पैमी/फर्जी खातों और बॉट्स की वास्तविक संख्या पर सौदे को रोक दिया था। इस सबको लेकर ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल से जवाब मांगा।

अशनीर ग्रोवर ने शुरू किया एक नया स्टार्टअप

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। अशनीर ग्रोवर ने पिछले महीने 14 जून 2022 को एक ट्वीट कर नई कंपनी शुरू करने का संकेत दिया था। वहीं, अब अशनीर ग्रोवर ने अपनी पत्नी माधुरी ग्रोवर के साथ मिलकर एक नया स्टार्टअप शुरू किया है। इसके पहले अशनीर ग्रोवर भारतपे के को-फाउंडर रह चुके हैं। अशनीर की नई कंपनी का नाम थर्ड यूनिकॉर्न प्राइवेट लिमिटेड है।

अशनीर ग्रोवर ने बनाई नई कंपनी थर्ड यूनिकॉर्न

भारतपे से एक खराब इग्जिट के बाद अब अशनीर ग्रोवर आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने शार्क टैंक इंडिया की जज रहीं अपनी पत्नी माधुरी जैन के साथ बुधवार को 6 जुलाई को एक नई कंपनी को शुरू करने का ऐलान किया है। बता दें कि पिछले महीने अपने 40वें जन्मदिन पर ग्रोवर ने कहा था कि यह दूसरे सेक्टर में जाने का समय है। यह थर्ड यूनिकॉर्न का समय है। इस ट्वीट से उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया था कि उनके अगले स्टार्टअप का नाम थर्ड यूनिकॉर्न प्राइवेट लिमिटेड होगा।

ग्रोवर के नई कंपनी की कितनी है कैपिटल

ग्रोवर की कंपनी को 6 जुलाई को शुरू किया गया है। इसमें ग्रोवर और माधुरी जैन ग्रोवर दोनों हैं, जो पहले भारतपे में कंट्रोल चीफ थीं। इसके अलावा, थर्ड यूनिकॉर्न प्राइवेट लिमिटेड की ऑथराइज्ड शेयर कैपिटल 20 लाख रुपये और टोटल पेडअप कैपिटल 10 लाख रुपये है। companydetails.in. के अनुसार, यह नई कंपनी पूरे भारत में कंप्यूटर और उससे संबंधित एक्टिविटीज में सर्विस प्रोवाइडर के रूप में काम करेगी। 40 वर्षीय उद्यमी 2022 के अच्छे शुरुआती महीनों के लिए चर्चा में रहे हैं। ग्रोवर पहले भारतपे में एमडी और सह-संस्थापक थे, जो पिछले साल अगस्त में यूनिकॉर्न क्लब में शामिल हुए थे।

कार मालिकों को बड़ी राहत,मोटर पॉलिसी पर कम होगा प्रीमियम का भुगतान,एक्सपर्ट से समझें पूरी बात

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। पिछले डेढ़ दशक में टेक्नोलॉजी ने बीमा के काम करने के तरीके को बदल दिया है। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यह सुनिश्चित करता रहा है कि देश में प्रत्येक बीमाकर्ता इस परिवर्तन के साथ बना रहे। इसी कड़ी में तीन नए मोटर बीमा राइडर्स भी शामिल किए गए हैं। नियामक ने बताया कि, ÷उपरोक्त विकल्पों को पेश करने से देश में मोटर ओन डैमेज कवर को जरूरी प्रोत्साहन देने और इसकी पैठ बढ़ाने में मदद मिलेगी।÷ भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरणद्वारा कार बीमा पॉलिसियों के लिए घोषित किए गए ऐड-ऑन इस प्रकार है-

पे-एज-यू-ड्राइवः

महामारी के बाद की दुनिया में यहां तक कि रोजमर्रा की यात्रा भी पहले की तुलना में बहुत बदल गई है। नतीजतन, कार मालिकों का एक बड़ा हिस्सा है, जो नियमित रूप से अपनी कार नहीं चलाते हैं। और अपनी इन ड्राइविंग आदतों के बावजूद भी कार मालिकों को अपनी मोटर पॉलिसियों पर प्रीमियम का भुगतान करना होता है।

लेकिन हाल ही में आईआरडीएआई द्वारा लाए गए पे ऐज यू ड्राइव मॉडल से लोगों की परेशानियां अब हल होने वाली है। पे ऐज यू ड्राइव मॉडल किलोमीटर की संख्या या संचालित दूरी के आधार पर एक वैकल्पिक राइडर है। जिसमें सभी के लिए एक समान दर का पालन करने के बजाय उपयोग के अनुसार प्रीमियम का भुगतान किया जाता है। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जो घर से काम करते हैं या जिनके पास एक से ज्यादा कार हैं।

पे हाऊ यू ड्राइवः

आपकी ड्राइविंग की आदतें आपकी बीमा जरूरतों के बारे में बहुत कुछ बता सकती हैं। पे हाउ यू ड्राइव मॉडल, जिसे हाल ही में नियामक द्वारा घोषित किया गया है, इसके जरिए बीमा के पहलू में काफी बदलाव देखने को मिलेगा। टेक्नोलोजी की मदद से एक पॉलिसीधारक की ड्राइविंग आदतों को अब टैप किया जा सकता है और उसके अनुसार उसकी योजना को अनुकूलित किया जा सकता है। इसका मतलब यह है कि ड्राइविंग नियमों का पालन करने वाले सही ट्रैक रिकॉर्ड वाले व्यक्ति का प्रीमियम सामान्य से कम होने की संभावना है। ट्रैफिक सिग्नलों का पालन करना, अनुशंसित गति से गाड़ी चलाना, और अपनी निर्धारित लेन में चलना, अंततः आपको एक से अधिक तरीकों से फायदा हो सकता है।

फ्लोटर नीतियां

अगर आपके पास एक से ज्यादा वाहन हैं, तो उनमें से हर एक के लिए अलग-अलग बीमा इंश्योरेंस लेना आपके लिए कठिन हो सकता है। इसके अलावा, आप दूसरों की तुलना में ज्यादा प्रीमियम का भुगतान करने के लिए बाध्य हैं, क्योंकि आपको दो या अधिक परस्पर अनन्य बीमा पॉलिसियों को बनाए रखना है। इसका एक सरल समाधान एक फ्लोटर नीति है। यह आपको अपने कई वाहनों के लिए एक संयुक्त पॉलिसी खरीदने की अनुमति देता है।

साथ ही एक पॉलिसीधारक को कम प्रीमियम का भुगतान करने में मदद करता है और कई वाहनों को पॉलिसी लाभ प्रदान करने में भी सहायक है। इस वैकल्पिक ऐड-ऑन में दो पहिया वाहन भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, किसी के अच्छे ड्राइविंग व्यवहार के लाभों को एक वाहन से दूसरे वाहन तक ले जाया जा सकता है जिससे पॉलिसीधारक के समय और प्रयास दोनों की बचत होती है।

कुल मिलाकर,लाया गए नया कानून ये प्रदर्शित करता है कि कैसे टेक्नोलोजी ने बीमा क्षेत्र को उपभोक्ता की जरूरतों पर अधिक ध्यान देने और पॉलिसीधारकों के लिए अधिक न्यायसंगत सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाया है।

डियोड्रेंट्स लगाने से जलन क्यों होती है,क्या यह कैंसर कारक है ?

पसीने के कारण शरीर से आने वाली दुर्गंध को दूर करने और रिफ्रेश महसूस कराने के लिए परफ्यूम और डियोड्रेंट्स का प्रयोग किया जाता रहा है। इसमें कृत्रिम सुगंध को लंबे समय तक बनाए रखने और शरीर से दुर्गंध को कम करने के लिए कई प्रकार के रसायनों का प्रयोग किया जाता है। क्या ये रसायन शरीर के लिए हानिकारक हो सकते हैं? इतने हानिकारक कि यह कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं?

हाल ही में आपने कई रिपोर्ट्स में इस तरह का दावा सुना होगा कि त्वचा के संपर्क में आने के साथ ही डियोड्रेंट्स प्रतिक्रिया करके, इसमें होने वाली क्षति का कारण बन सकते हैं।

डियोड्रेंट्स में रसायनों के प्रयोग को लेकर लंबे समय से चर्चा होती रही है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जाता रहा है कि डियो लगाने के बाद त्वचा में जलन होती है जो इस बात का सूचक है कि यह आपके लिए हानिकारक है। तो क्या वास्तव में डियो इतना नुकसानदायक है? इस लेख में हम मेडिकल साइंस द्वारा डियो से होने वाली समस्याओं को लेकर किए गए शोध के बारे में जानने की कोशिश करेंगे।

कितना हानिकारक है डियोड्रेंट?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि डियोड्रेंट्स की खुशबू को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए इसमें कई तरह के रसायनों को प्रयोग में लाया जाता है। सिर्फ डियोड्रेंट्स ही नहीं ज्यादातर कॉस्मेटिक और फार्मास्युटिकल उत्पादों में भी इनका प्रयोग देखा गया है। एल्यूमीनियम यौगिक उनमें से एक हैं।

असल में एल्यूमीनियम यौगिक ऐसे तत्व होते हैं जो पसीने को रोकते हैं। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन द्वारा प्रकाशित हालिया शोध से पता चलता है कि इनके लगातार उपयोग से संवेदनशील कोशिकाओं को नुकसान हो सकता है।

पैराबीन्स का डियोड्रेंट में उपयोग

डियोड्रेंट्स को लेकर किए गए अध्ययन में पाया गया कि बैक्टीरिया और फंगस के कारण होने वाले दुर्गन्ध को रोकने के लिए पैराबीन्स नामक यौगिकों को प्रयोग में लाया जाता है। यह सच है कि पैराबीन्स त्वचा में अवशोषित हो सकता है। ये शरीर में प्रवेश के साथ ही एस्ट्रोजन के रूप में कार्य कर सकते हैं, जोकि महिलाओं के यौन विकास, स्तन और शारीरिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है।

क्या इन रसायनों और यौगिकों से कैंसर हो सकता है?

पेन मेडिसिन जर्नल में छपी एक रिपोर्ट में शोधकर्ता बताते हैं कि इनके संयमित उपयोग को हानिकारक नहीं पाया गया है। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के शोधकर्ताओं ने भी अध्ययन में पाया कि डियोड्रेंट के कारण कैंसर होने के दावों का कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है। हालांकि नेशनल किडनी फाउंडेशन के शोधकर्ताओं का कहना है कि जिन लोगों को किडनी की समस्या है उन्हें एंटीपर्सपिरेंट्स के उपयोग को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए, यह शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि वैसे तो डियोड्रेंट में प्रयोग में लाए जाने वाले एल्यूमीनियम या फिर पैराबीन्स यौगिकों को नुकसानदायक नहीं पाया गया है, हालांकि संवेदनशील त्वचा और जोखिम कारक वाले लोगों में इनका लंबे समय तक उपयोग करना कुछ प्रकार के कैंसर के विकास को बढ़ावा दे सकता है।

डियोड्रेंट्स लगाने से जलन क्यों होती है?

अगर डियोड्रेंट्स का सीमित उपयोग नुकसानदायक नहीं हैं तो अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर डियोड्रेंट्स लगाने से जलन क्यों होती है? इस बारे में शोधकर्ताओं का कहना है कि कुछ लोगों को डियोड्रेंट्स या एंटीपर्सपिरेंट्स से एलर्जी हो सकती है। अनुसंधान इंगित करते है कि यह प्रोपिलीन ग्लाइकोल नामक रसायन, सुगंधित तेल और लैनोलिन जैसे अवयवों के कारण हो सकता है। डियोड्रेंट्स लगाने से जलन होने का यह मतलब नहीं है कि यह कैंसर कारक है।

अध्ययन में दावा-दिमाग के लिए सबसे फायदेमंद है इस चीज का सेवन,संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी माना जाता है वरदान

दिमाग को तेज रखने, याददाश्त सुधारने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सामान्यतौर पर बादाम खाने को सबसे फायदेमंद माना जाता रहा है, पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि बादाम के अलावा भी हमारे घरों में कई ऐसे खाद्य पदार्थ मौजूद होते हैं, जिन्हें अध्ययनों में काफी असरदार पाया गया है। अखरोट भी बादाम की ही तरह दिमाग को स्वस्थ और तेज बनाने वाला नट्स है जिसके सेवन की आदत आपकी सेहत को कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ दे सकती है।

पशु और मानव अध्ययनों से मिले पर्याप्त सबूत बताते हैं कि अखरोट का सेवन करना संज्ञानात्मक कार्यों में सुधार करने के साथ कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य, अवसाद और टाइप-2 डायबिटीज जैसी अन्य बीमारियों के जोखिम को भी कम कर सकता है।

अखरोट में कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत को कई प्रकार के लाभ दे सकते हैं। विशेषकर इसे मस्तिष्क के कार्यों को ठीक बनाए रखने के लिए सबसे कारगर नट्स के तौर पर जाना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को आहार में अखरोट को जरूर शामिल करना चाहिए, यह आपके लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है। आइए इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानते हैं।

मस्तिष्क को बनाए रखता है स्वस्थ और फिट

यह सिर्फ एक संयोग ही है कि अखरोट की बनावट मस्तिष्क की तरह होती है, शोध से पता चलता है कि यह वास्तव में दिमाग के लिए बहुत अच्छा होता है। अध्ययनों में पाया गया कि अखरोट में पॉलीअनसेचुरेटेड फैट, पॉलीफेनोल्स और विटामिन-ई सहित कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने के साथ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। अल्जाइमर रोग से पीड़ितों में भी अखरोट के सेवन से लाभ देखे गए हैं।

टाइप-2 डायबिटीज में फायदेमंद

अखरोट, टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में भी काफी फायदेमंद नट्स के तौर पर माना जाता रहा है। यह वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। अधिक वजन, ब्लड शुगर के लेवल को बढ़ाने का खतरा पैदा कर सकता है। टाइप-2 डायबिटीज वाले 100 लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि 3 महीने तक रोजाना अखरोट या अखरोट के तेल का सेवन फास्टिंग ब्लड शुगर में 8 फीसदी तक की कमी ला सकता है।

वजन कंट्रोल रखने में सहायक

अध्ययनों से पता चलता है कि अखरोट खाने से आपको भूख नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है, जिससे वजन को कंट्रोल किया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि वजन कंट्रोल करने की कोशिश में लगे लोगों के लिए अखरोट को आहार में शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है। वजन बढ़ने से रोकने के कारण अखरोट का सेवन सेहत के लिए कई अन्य प्रकार से भी लाभप्रद हो सकता है।

कम बजट में घूमना चाहते हैं खूबसूरत हिल स्टेशन,तो डलहौजी ट्रिप का बनाएं प्लान

हिमाचल प्रदेश में कई सारे हिल स्टेशन हैं, जहां आप वीकेंड ट्रिप या लंबी छुट्टियों में घूमने और सुकून के पल बिताने के लिए जा सकते हैं। लेकिन अगर आपका बजट ज्यादा नहीं है तो आप हिमाचल प्रदेश में मौजूद खूबसूरत दिल स्टेशन डलहौजी घूमने जा सकते हैं। डलहौजी को मिनी स्विस के नाम से भी जाना जाता है। गर्मियों के मौसम में डलहौजी का तापमान तुलना में कम होता है। खूबसूरत वादियों और हरियाली के बीच आप सुकून भरी छुट्टियां बिता सकते हैं। दोस्तों, परिवार या पार्टनर के साथ डलहौजी जाना चाहते हैं तो यहां देखने के लिए काफी कुछ मिल जाएगा। कुछ टिप्स को अपनाकर और अच्छी प्लानिंग के साथ आप महज 5000 रुपये में डलहौजी घूम सकते हैं। चलिए जानते हैं कम पैसों में डलहौजी ट्रिप कैसे प्लान करें।

कैसे जाएं डलहौजी

हिमाचल प्रदेश में स्थित डलहौजी जाने का सस्ता और आसान रास्ता रेल मार्ग है। ट्रेन से आप बहुत कम पैसों में डलहौजी पहुंच जाएंगे। अगर आप दिल्ली से डलहौजी का सफर कर रहे हैं तो पठानकोट जाने वाली ट्रेन का टिकट बुक कर लें। स्लीपर क्लास के टिकट का किराया 400 से 500 रुपये तक है। वहीं एसी क्लास का टिकट थोड़ा महंगा होगा। बजट में सफर के लिए आप स्लीपर में टिकट बुक करा सकते हैं। नई दिल्ली, आनंद विहार और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से आपको ट्रेन मिल जाएगी।

डलहौजी का वीकेंड ट्रिप

अगर आप दो-तीन दिनों के ट्रिप पर डलहौजी जा रहे हैं तो रात की ट्रेन का टिकट बुक करें। रात में सफर करें और सुबह तड़के आप पठानकोट पहुंच जाएंगे। यहां से डलहौजी के लिए बस मिल जाएगी। पठानकोट से डलहौजी जाने के लिए बस का किराया लगभग 200 रुपये हो सकता है।

डलहौजी में घूमने की जगहें

डलहौजी शहर से 24 किलोमीटर की दूरी पर खज्जियार स्थित है। यह जगह प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरत दृश्यों का अद्भुत नमूना है। कपल्स के बीच ये जगह बहुत प्रसिद्ध है। यहां आप पैराग्लाइडिंग, ट्रैकिंग, घुड़सवारी का लुत्फ उठा सकते हैं। पंचपूला डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां खूबसूरत झरना है, साथ ही पांच धाराओं को यहां से देखा जा सकता है। डलहौजी माल रोड पर आप शॉपिंग पर जा सकते हैं। यहां आपको लजीज खाने का लुत्फ भी उठाने को मिलेगा। इसके अलावा डलहौजी में कालाटोप वन्यजीव अभयारण्य घूमने भी जा सकते हैं।

कैसे घूमें डलहौजी ?

पठानकोट से डलहौजी बस का सफर करके पहुंचने के बाद यहां के पर्यटन स्थलों को बजट में घूमने के लिए स्थानीय परिवहन का चुनाव कर सकते हैं। शेयरिंग ऑटो, लोकल टैक्सी से आप डलहौजी मॉल रोड से खज्जियार, कालाटॉप, चमेरा लेक और रॉक गार्डन आदि घूम सकते हैं। स्थानीय परिवहन से लगभग एक-डेढ़ हजार रुपये में पूरी जगह अच्छे से घूम सकते हैं।

डलहौजी में रहने खाने का खर्च

कम पैसों में डलहौजी के आरामदायक और मजेदार सफर के लिए आप यहां मुख्य मार्केट से थोड़ी दूर बने लोकल गेस्ट हाउस या होटल में ठहर सकते हैं। यहां आपको 500 रुपये तक अच्छे कमरे मिल जाएंगे। मॉल रोड या मुख्य शहर मे आपको होटल में कमरा 1000 से 1200 में मिल जाएगा। यहां के स्थानीय खाने का लुत्फ कम पैसों में उठा सकते हैं। स्थानीय ढाबों पर आपको 500 से 1000 रुपये में लजीज खाना परोसा जाएगा। स्ट्रीट फूड का भी स्वाद ले सकते हैं।

श्रीलंका में अब सरकार विरोधी प्रदर्शनों में उतरे बौद्ध भिक्षु, प्रदर्शनकारियों ने कब्जाया राष्ट्रपति राजपक्षे का आवास

कोलंबो , 09 जुलाई 2022।
श्रीलंका के प्रभावशाली बौद्ध भिक्षुओं ने राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे के इस्तीफे पर जोर डालने के लिए नए सिरे से आंदोलन शुरू कर दिया है। शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति राजपक्षे के सरकारी आवास पर कब्जा कर लिया। हालांकि राष्ट्रपति गोटबया ने राजपक्षे प्रदर्शनकारियों के पहुंचने से पहले ही आवास छोड़ दिया था। शनिवार को राष्ट्रपति के सरकारी आवास के करीब गॉल फेस पर विशाल जन प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए सोशल मीडिया पर जोरदार मुहिम चलाई जा रही थी और देश भर के लोगों से इसमें पहुंचने की अपील की गई।

सरकार ने की रोकने की कोशिश

इस प्रदर्शन को रोकने के लिए राजपक्षे सरकार की न्यायपालिका की आड़ लेने की कोशिश कामयाब नहीं हो सकी है। पुलिस ने एक अदालत में अर्जी देकर इस प्रदर्शन पर रोक लगाने की गुजारिश की थी। लेकिन गुरुवार को अदालत ने वो याचिका ठुकरा दी। इससे विरोध प्रदर्शन का रास्ता खुल गया है। अब शनिवार को कोलंबो में आम जन जीवन के अस्त-व्यस्त हो जाने का अनुमान लगाया गया है।

इस बीच बौद्ध भिक्षुओं ने अपना अभियान शुरू कर दिया है। गुरुवार को वे वट्टाला नाम की जगह से 12 किलोमीटर पैदल चलते हुए कोलंबो फोर्ट पहुंचे। बीते अप्रैल से राष्ट्रपति राजपक्षे यहीं रह रहे हैं। अप्रैल में उग्र भीड़ ने राष्ट्रपति के निजी आवास को घेर लिया था। उसके बाद राजपक्षे सपरिवार कोलंबो फोर्ट आ गए थे। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक गुरुवार को पैदल मार्च में तकरीबन 100 भिक्षु शामिल थे। लेकिन एक अदालती आदेश के कारण उनके मार्च को बीच में रोक दिया गया।

तब उन भिक्षुओं ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। बौद्ध भिक्षु उलापने समंगला थेरो ने इकट्ठा हुए भिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा- 'ईंधन संकट के बावजूद बौद्ध भिक्षु यहां पहुंचे हैं। वे देश और इतिहास के प्रति अपना कर्तव्य निभाने के लिए यहां आए हैं। इसलिए कोर्ट का आदेश लाकर उन्हें रोकने की कोशिश ना की जाए।'

बौद्ध भिक्षुओं ने पहले किया का राजपक्षे का समर्थन

बौद्ध भिक्षुओं के आंदोलन को राष्ट्रपति राजपक्षे के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। नवंबर 2019 में हुए चुनाव में भिक्षुओं ने उन्हें अपना पुरजोर समर्थन दिया था। दो करोड़ 20 लाख आबादी वाले श्रीलंका में बहुसंख्यक सिंहली समुदाय बौद्ध धर्म को मानता है। इसलिए भिक्षुओं का समर्थन महत्वपूर्ण समझा जाता है। कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों की राय है कि देश में महंगाई और जरूरी चीजों के अभाव के कारण जनमत का एक बड़ा हिस्सा राजपक्षे परिवार से निकटता के कारण भिक्षुओं के खिलाफ होने लगा था। इसीलिए अब बौद्ध भिक्षु सरकार विरोधी रुख अपनाने को मजबूर हो गए हैं।

समंगला थेरो ने दावा किया कि उनके सरकार विरोधी अभियान को देश भर के तमाम बौद्ध भिक्षुओं का समर्थन हासिल है। उन्होंने कहा- 'अभी तो यह शुरुआत है। आने वाले दिनों में विरोध स्थल पर पहुंचने वाले भिक्षुओं की संख्या बढ़ती चली जाएगी।'

रूस-यूक्रेन युद्ध पर एकमत नहीं हो पाए जी-20 देशों के विदेश मंत्री,इंडोनेशिया ने की भावुक अपील

नुसा दुआ, 09 जुलाई 2022।
जी-20 के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर साझा बयान जारी करने पर सहमति नहीं बन पाई। आखिर में काफी मशक्कत के बाद मेजबान इंडोनिशया ने युद्ध को खत्म करने की अपील के साथ साझा बयान जारी किया। इंडोनेशिया के बाली में हुए दो दिन के सम्मेलन के अंत मे मेजबान इंडोनेशिया की विदेश मंत्री रेंटो मारसुदी ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से पूरी दुनिया भोजन और ईंधन के संकट का सामना कर रही है, लिहाजा इसे जल्द से जल्द खत्म किया जाना चाहिए।

मारसुदी ने जी-20 विदेश मंत्रियों से पृथ्वी के भविष्य के लिए आपसी अविश्वास खत्म करने की भावुक अपील करते हुए कहा कि कोरोना वायरस से लेकर जलवायु परिवर्तन तक और यूक्रेन संकट जैसी चुनौतियों की वजह से दुनिया बहुत अस्थिर और अविश्वास से भर गई है, इसे खत्म करना जरूरी है।

विश्व का महामारी से उबरना अभी बाकी है, लेकिन यूक्रेन में युद्ध के तौर पर दूसरा संकट हमारे सामने है, जिससे पूरी दुनिया की खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा संसाधन चरमरा रहे हैं। गरीब और विकासशील देश अब ईंधन व अनाज की कमी का सामना कर रहे हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि इन समस्याओं का हल निकालने के लिए नियम आधारित विश्व व्यवस्था को प्रासंगिक बनाए रखें।

मारसुदी ने कहा, इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि एकसाथ बैठना दुनिया के लिए मुश्किल हो गया है। यूक्रेन में युद्ध ने विश्व व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। हालांकि, उनकी इन टिप्पणियों पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

युद्ध ने बढ़ाया कोविड दुष्प्रभाव- ब्लिंकेन

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने मारसुदी के भाषण की सराहना करते हुए कहा कि कोविड के दुष्प्रभाव अब भी दुनिया पर साफ दिख रहे हैं। दुर्भाग्य से यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रमण ने इन प्रभावों को और गंभीर कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि वे बाली वार्ता के मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि इस वार्ता का एजेंडा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण दुनिया के सामने पैदा हुए खाद्य एवं ऊर्जा संकट पर बात करना, इसके लिए रूस को जिम्मेदार ठहराना और भविष्य में ऐसी किल्लत से मिलकर निपटने के मुद्दे पर बात करना है।

खींचतान के साथ खत्म हुई बैठक

बैठक में एक तरफ चीन और रूस थे, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोपीय देश। दोनों धड़ों की दूरी की वजह से ज्यादातर मुद्दों पर आम सहमति नहीं बनी। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पहली बार अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव एक मंच पर आए थे। उम्मीद की जा रही थी कि दोनों नेता मिलेंगे और कम से कम युद्ध की वजह से पूरी दुनिया पर आए ईंधन और भोजन के संकट को दूर करने के संबंध में ठोस बातचीत होगी, लेकिन उम्मीद के विपरीत दोनों एक-दूसरे की खिंचाई में लगे रहे।

श्रीलंका में प्रदर्शनकारियों ने घेरा राष्ट्रपति का घर,आवास छोड़कर भागे गोतबाया राजपक्षे

कोलंबो , 09 जुलाई 2022।
श्रीलंका में जारी आर्थिक संकट के बीच जनता का गुस्सा अब तक शांत नहीं हुआ है। देशभर में तेल और बाकी जरूरत के सामान की कमी के बीच लोग एक बार फिर सड़कों पर हैं। प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने शनिवार को राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग के साथ उनके आवास का घेराव कर लिया। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, ये प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति के घर में घुसने की कोशिश करने लगे, जिसके बाद राजपक्षे अपना आवास छोड़कर भाग खड़े हुए।

बताया गया है कि कुछ प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति आवास के परिसर तक घुस आए थे। इसके बाद सुरक्षाबलों ने राष्ट्रपति को आवास से बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। श्रीलंका के एक टीवी चैनल सिरासा टीवी की ओर से जारी फुटेज में तो भीड़ को राष्ट्रपति आवास के अंदर घुसते भी देखा जा सकता है। हालांकि, सुरक्षाबल पानी की बौछारों और आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश करती रही। प्रदर्शन के दौरान करीब 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें पुलिसकर्मियों से लेकर

गौरतलब है कि श्रीलंका पिछले कई महीनों से आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पूरे देश में खाने से लेकर ईंधन तक की कमी पैदा हो गई है। यहां तक कि घरों में बिजली तक सिर्फ कुछ ही घंटों के लिए आ रही है। श्रीलंका के लगातार घटते विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से वह मेडिकल से जुड़े जरूरी सामान तक नहीं आयात कर पा रहा है।

कैंसर जांच मशीन के नाम पर पाकिस्तानी ने ठगे करोड़ों, अब पूर्व प्रेमिका संग हो सकती है 20 साल जेल

न्यूयार्क, 09 जुलाई 2022।
मेडिकल जांच उपकरण निर्माता थेरानॉस के सीईओ रमेश बलवानी को फर्जी कैंसर जांच मशीन से करोड़ों डॉलर कमाने के मामले में दोषी ठहराया गया है। पाकिस्तान में जन्मे बलवानी और उसकी पूर्व प्रेमिका को करीब 12 मामलों में दोषी करार दिया गया है।

लोक अभियोजक स्टेफनी हाइंड्स और एफबीआई के स्पेशल एजेंट शॉन रैगन के मुताबिक, सिलिकॉन वैली के इस चर्चित मामले में संघीय जूरी ने छह माह पहले रमेश की पूर्व प्रेमिका एलिजाबेथ होम्स को दोषी ठहराया था। अब जूरी ने होम्स के व्यापारिक साझीदार बलवानी को भी रोगियों और निवेशकों से करोड़ों डॉलर ठगने का दोषी माना है। बलवानी ने रक्त कैंसर की जांच करने वाली मशीन बनाने का दावा कर मरीजों के साथ धोखा किया।

इस मामले में अगली सुनवाई 15 नवंबर को है। ऐसे दोषियों को अधिकतम 20 साल कैद और 2.50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब दो करोड़ रुपये तक जुर्माना हो सकता है। थेरानॉस कंपनी का यह मामला कई साल से सुर्खियों में है। सिलिकॉन वैली में 19 वर्षीय एलिजाबेथ होम्स ने कुछ लोगों के साथ यह कंपनी शुरू की। कैंसर जांच के लिए कंपनी ने अत्याधुनिक मशीन बनाने का दावा कर निवेशकों व मरीजों से करोड़ों डॉलर की धोखाधड़ी की। इस मामले पर एक किताब भी लिखी जा चुकी है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी चर्चित रही है।

रूस ने यूक्रेन के रिहायशी इलाकों में फिर बरसाए बम,पांच लोगों की दर्दनाक मौत

कीव/ मॉस्को , 09 जुलाई 2022।
रूस ने एक बार फिर से पूर्वी यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव के रिहायशी इलाकों में बम बरसाए हैं। इस बमबारी में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से दोनों देशों में तनाव और बढ़ गया है। बता दें कि दोनों देशों के बीच जंग अभी भी छिड़ी हुई है और इसके कारण अब तक लगभग 15 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 4000 से अधिक आम नागरिकों की मौत हुई है। जबकि 10 हजार से अधिक सैनिकों की मौत हुई है।

27 जून को भी रूस ने यूक्रेन के एक मॉल पर हमला बोला था

इससे पहले 27 जून को रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन के क्रेमेनचुक शहर में स्थित एक शॉपिंग मॉल को उस समय तबाह कर दिया जब वहां सैकड़ों लोग मौजूद थे। इस हमले में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए थे।

पुतिन बोले- यूक्रेन के सहयोगी पश्चिमी देश सीधी जंग करें

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ उसकी जंग में पश्चिम देशों को सीधे शामिल होने की चुनौती दी है। शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर पश्चिमी देश यूक्रेन का साथ देना चाहते है तो हमारे खिलाफ जंग में शामिल हो जाएं। पुतिन ने कहा, रूस पर प्रतिबंधों के कारण यूक्रेन के साथ शांति वार्ता करना कठिन होता जा रहा है। पुतिन ने कहा, पश्चिमी देश खुद लड़ाई में शामिल न होकर यूक्रेन के लोगों को लड़ने के लिए आगे कर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ जंग में शांति कायम करने की ओर इशारा भी किया। पुतिन ने कहा, हम शांति के खिलाफ नहीं, लेकिन जो इसके खिलाफ हैं, उन्हें जान लेना चाहिए, पश्चिमी देशों का दखल जितना बढ़ेगा, शांति उतनी ही मुश्किल होगी।

शिंजो आबे की हत्या से जुड़ी पोस्ट पर सिंगापुर के पीएम को फेसबुक पर धमकी,आरोपी शख्स गिरफ्तार

सिंगापुर , 09 जुलाई 2022।
सिंगापुर में अधिकारियों ने प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के खिलाफ फेसबुक पर एक टिप्पणी पोस्ट कर हिंसा भड़काने के आरोप में एक 45 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या के संबंध में एक पोस्ट पर वेब पोर्टल चैनल न्यूज एशिया के फेसबुक पेज के कमेंट सेक्शन में यह धमकी मिली थी। स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार के अनुसार पुलिस ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री ली के खिलाफ हिंसा भड़काने की धमकी के संबंध में शुक्रवार दोपहर 3.10 बजे एक रिपोर्ट मिली।

आरोपी से लैपटॉप, एक टैबलेट और चार मोबाइल फोन बरामद

पुलिस ने कहा कि जांच के बाद, पुलिस फेसबुक यूजर की पहचान करने में सफल रही और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से एक लैपटॉप, एक टैबलेट और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच जारी है।

पांच साल तक की हो सकती है जेल

रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंसा के लिए उकसाने वाले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को बनाने या संचार करने के अपराध में दोषी पाए जाने पर पांच साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकता है।

फेसबुक पर सिंगापुर के पीएम ली ने की थी टिप्पणी

बता दें कि प्रधानमंत्री ली ने शुक्रवार को अबे की हत्या को हिंसा का एक मूर्खतापूर्ण कृत्य बताया था। उन्होंने लिखा था कि अबे सिंगापुर के अच्छे मित्र थे। मैंने मई में अपनी टोक्यो यात्रा पर दोपहर के भोजन के लिए उनकी मेजबानी की थी। मेरे विचार और प्रार्थनाएं श्री अबे और उनके परिवार के साथ हैं।

शुक्रवार को जापान के पूर्व पीएम की हुई थी हत्या

बता दें कि 67 वर्षीय आबे की शुक्रवार को पश्चिमी जापान की एक सड़क पर एक बंदूकधारी ने हत्या कर दी थी, जिसने एक अभियान भाषण देते समय उन पर पीछे से गोलियां चला दी थीं।

पुतिन बोले- यूक्रेन के सहयोगी पश्चिमी देश सीधी जंग करें, दखल बढ़ने के साथ शांति वार्ता कठिन होती जाएगी

मॉस्को/कीव, 09 जुलाई 2022।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ उसकी जंग में पश्चिम देशों को सीधे शामिल होने की चुनौती दी है। शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति ने कहा. अगर पश्चिमी देश यूक्रेन का साथ देना चाहते है तो हमारे खिलाफ जंग में शामिल हो जाएं। पुतिन ने कहा, रूस पर प्रतिबंधों के कारण यूक्रेन के साथ शांति वार्ता करना कठिन होता जा रहा है।

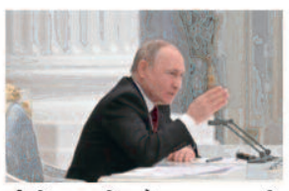

पुतिन ने कहा, पश्चिमी देश खुद लड़ाई में शामिल न होकर यूक्रेन के लोगों को लड़ने के लिए आगे कर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ जंग में शांति कायम करने की ओर इशारा भी किया। पुतिन ने कहा, हम शांति के खिलाफ नहीं, लेकिन जो इसके खिलाफ हैं, उन्हें जान लेना चाहिए, पश्चिमी देशों का दखल जितना बढ़ेगा, शांति उतनी ही मुश्किल होगी।

हवाई हमलों में तीन की मौत

खारकीव और दोनबास के कई इलाकों में रूसी हवाई हमलों में तीन लोग मारे गए और पांच घायल हो गए। खारकीव पर हमले में रूस ने मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का इस्तेमाल किया। खारकीव के गवर्नर ने कहा, जानमाल के नुकसान की शुरुआती जानकारी ही है।

अमेरिका ने रूस से कहा- यूक्रेन आपका देश नहीं

इंडोनेशिया के बाली में जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस की आलोचना की गई कि वह काला सागर की घेराबंदी कर अनाज के जहाजों को नहीं जाने दे रहा है अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने रूस से कहा कि यूक्रेन आपका देश नहीं है। इसलिए यहां का अनाज भी आपका नहीं है।

पाकिस्तान में बस-वैन की जोरदार टक्कर, पांच की मौत;9 घायल

इस्लामाबाद, 09 जुलाई 2022।
पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के लासबेला जिले में शुक्रवार को बस और वैन की टक्कर होने से पांच लोगों की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, दुर्घटना जिले के वांडर इलाके के पास उस समय हुई जब विपरीत दिशा से आ रहे वाहन तेज गति के कारण एक-दूसरे से टकरा गए। बचावकर्मियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि घायल यात्रियों को पहले प्रारंभिक इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए देश के दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची रेफर कर दिया गया।

बचावकर्मियों ने बताया कि बस बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से कराची जा रही थी, जबकि वैन कराची से प्रांत के खुजदार शहर की ओर जा रही थी।

पंजाब में तीन लोगों की मौत

इससे पहले, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ट्रक और यात्री बस की टक्कर में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दुर्घटना नरोवाल जिले के करतारपुर कस्बे में एक ट्रक की तेज गति के कारण हुई। बचावकर्मियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि पीड़ितों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शिंजो आबे की हत्या से पहले एक और नेता को मौत के घाट उतारना चाहता था शूटर,पुलिस जांच जारी

टोक्यो , 09 जुलाई 2022।
जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या मामले में अब नए-नए खुलासे हो रहे हैं। जापानी मीडिया ने शनिवार को पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि आबे की हत्या से पहले हमलावर ने एक और खतरनाक योजना बनाई थी जिसके तहत उसने एक धार्मिक समूह के बड़े नेता पर हमला करने की प्लानिंग की थी। हालांकि, पुलिस ने उस नेता के नाम का खुलासा नहीं किया है।

धार्मिक समूह की विचारधारा और कार्यशैली से नाराज था हमलावर

जापान के क्योडो न्यूज ने पुलिस के हवाले से बताया कि हमलावर एक धार्मिक समूह की विचारधारा और कार्यशैली से नाराज चल रहा था और उसने पुलिस में इसकी शिकायत भी की थी। शिकायत के बाद कार्रवाई नहीं हुई तो हमलावर और नाराज हो गया जिसके बाद वह धार्मिक संगठन चलाने वाले प्रमुख नेता की हत्या करने के लिए रेकी करने लगा। हालांकि सुरक्षा कड़ी होने की वजह से उसे सफलता नहीं मिल सकी।

शिंदो आबे की हत्या के आरोप में हमलावर को पुलिस ने दबोचा

बता दें कि शुक्रवार को जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या के आरोप में पुलिस ने यामागामी नाम के हमलावर को धर दबोचा था। हालांकि, हमलावर को पकड़ने के दौरान पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी।

हत्या का कोई मलाल नहीं: हमलावर

पूछताछ के दौरान यामागामी ने इस बात से इनकार किया है कि उसने अपराध किया है। क्योंकि उसका कहना था कि अबे की राजनीतिक विचारधारा उसे पसंद नहीं थी और इसलिए उसे इस हत्या के लिए कोई मलाल नहीं है।

अपराधी ने हाईस्कूल के बाद छोड़ दी थी पढ़ाई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हाईस्कूल पास करने के बाद वह जीवन में क्या करना चाहता था इसके बारे में भी उसे कोई जानकारी नहीं थी। हालांकि उसने कम सैलरी वाली कोई जॉब पकड़ ली थी। मई के महीने में उसने नौकरी छोड़ दी थी क्योंकि वह थका हुआ महसूस कर रहा था। इस बीच, पुलिस ने शुक्रवार को नारा में उसके अपार्टमेंट पर छापेमारी की और विस्फोटक और घर की बंदूकें बरामद कीं।

नौसेना में कर चुका है काम

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, उन्होंने 2005 में हिरोशिमा प्रीफेक्चर के क्योर बेस में समुद्री आत्मरक्षा अधिकारी के रूप में काम किया था। 2020 में, वह कंसाई क्षेत्र में एक निर्माण कंपनी में कार्यरत था लेकिन इस साल अप्रैल में, उन्होंने कंपनी से कहा कि वह थके हुए होने के कारण नौकरी छोड़ना चाहते हैं, और अगले महीने नौकरी छोड़ दी।

एक नहीं तीन एसपी बदले पर नहीं बदले तो कोरिया के कुछ थानों के थानेदार,आखिर क्या वजह?

» क्या कोरिया के नए पुलिस अधीक्षक पहुंच पकड व पहचान से थान पाने वाले कर्मचरियों की बनी प्रथा को खत्म कर पाएंगे?

» जिले के कुछ थाना प्रभारियों व प्रधान आरक्षक के खिलाफ कई शिकायतें,क्या नवपदस्थ एसपी ही इन थानेदारों को थानों से हटा पाएंगे?

» क्या आउटर के थाने उन्हें को मिलेंगे जिनके अधिकारियों से संबंध नहीं होंगे मधुर,मधुर संबंध व राजनीतिक पकड़ वालो को बेहतर थाना?

» कर्मचारी से अधिकारी बन जाए पर जिले से बाहर ना जाना पड़े ऐसी सोच रखते हैं कोरिया स्थानीय कुछ पुलिस कर्मचारी।

» कोरिया में कुछ ऐसे नाम है जो आरक्षक से उपनिरीक्षक तक बन गए पर जिले से बाहर नहीं गए।

» स्टेनो सहित कोरिया पुलिस में कई ऐसे कर्मचारी हैं जिन्हें प्रमोशन तो चाहिए पर स्थानांतरण नहीं।

» लाइन में चार निरीक्षक के होते हुए उप निरीक्षक चला रहे थाना,क्या यही है व्यवस्था?

» जिले के सिर्फ 4 थानों में निरीक्षक बाकी सभी थानों में उप निरीक्षक के जलवे बतौर थाना प्रभारी।

» जंगलों के थानों में निरीक्षक पर उप निरीक्षक जिले के बड़े थानों का संभाल रहे कमान।

» जिले के एक थानेदार तो अपने नाम एक उपलब्धि जुड़ चुके हैं वह भी एक रसूखदार ट्रांसपोर्टर को ना पकड़ पाने का।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 09 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोरिया जिले में लंबे समय से एक प्रथा बन चुकी है वह प्रथा है पहुंच पकड़वा पहचान से बढ़िया थाना पाने की क्या यह प्रथा नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक के आने पर खत्म होगी? कोरिया जिले के पुलिस विभाग में पहुंच पकड़ एवम पहचान से मिलता है बढ़िया थाना क्या नवपदस्थ एसपी ख़त्म कर अपएगे इस व्यवस्था को? कोरिया जिले में पुलिस विभाग में अक्सर देखा जाता है कि पहुंच, पकड़, चापलूस व पैसे वाले पुलिसकर्मी शहर के अच्छे थानों में रहना चाहते हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास करते नजर आते हैं कई ऐसे पुलिसकर्मी हैं जो कोरिया जिले के चंद अच्छे थानों में रहकर अपना कार्यकाल पूरा कर चले जाते हैं पर कुछ ऐसे भी पुलिस कर्मी हैं जो काबिलियत रखते हैं पर उन पुलिस वालों के जैसे आदत नहीं होती इसलिए वह कोरिया जिले के जनकपुर कोटाढोल जैसे जगह पर वफादारी के साथ नौकरी करते हैं। कोरिया जिले में पुलिस विभाग में विभिन्न थानों में अपनी पदस्थापना के लिए पुलिस विभाग के विभिन्न स्तर के कर्मचारियों को भारी जुगत एवम जुगाड़ लगाना पड़ता है तब जाकर मनचाहे थाने में उनकी पदस्थापना हो पाती है। जो जुगाड़ एवम पहुँच के अपने प्रभाव को जितना साबित कर पाता है वह हमेशा बढ़िया थानों में ही पदस्थ रहता है। वहीं जो पुलिसकर्मी पहुंच पकड़ में कमजोर साबित होते हैं वह बढ़िया काम करके भी जिले के दूरस्थ थानों में ही काम करते नजर आते हैं। कोरिया जिले में पुलिस के कई ऐसे कर्मचारी देखने को मिल जाएंगे जिनका विभाग में इतना जुगाड़ एवम पकड़ है कि वह आरक्षक से पदोन्नत होकर थानेदार तक के पद पर आज तक जिले में ही कार्यरत हैं साथ ही उन्हें हमेशा बेहतर थानों में ही सेवा का अवसर भी दिया जाता आ रहा है। कहने को किसी भी विभाग में अपने कर्तव्य को लेकर सभी बेहतर काम करना चाहते हैं लेकिन अवसर के आभाव में वे अपनी प्रतिभा दिखा पाने में असफल हो जाते हैं और पहुंच पकड़ वाले लगातार बेहतर जगह पर काम करते हुए अपने आपको प्रसिद्ध करने में सफल हो जाते हैं। कोरिया जिला में वैसे तो पुलिस थानों की संख्या ज्यादा नही है लेकिन चौकियों की संख्या के आधार पर पुलिसकर्मियों की पदस्थापना के लिए विभाग के पास विकल्प बहुत सारे हैं। जिले की कई थानों एवम चौकियों में अपनी पदस्थापना को लेकर पहुंच पकड़ वाले पुलिसकर्मी लगातार अच्छी जगह पोस्टिंग करा लेते हैं और वर्षों तक वहीं जमे रहते हैं वही बहुत सारे योग पुलिसकर्मी लगातार जिले के दूसरे थाने में ही अपनी सेवा देने मजबूर है। जबकि नियम से सभी पुलिसकर्मियों को जिले के हर थाने में काम करके क्षेत्र का अनुभव लेना चाहिए और बेहतर सुविधा व सुरक्षा व्यवस्था कायम करनी चाहिए।

कोरिया पुलिस विभाग में कुछ ऐसे नाम है जो पदोन्नत हुए पर जिला नहीं छोड़े कब छोड़ेंगे यह जिला

कोरिया पुलिस विभाग में कुछ ऐसे नामचीन नाम है जो पदोन्नत तो होते हैं और पदोन्नत होने के लिए एड़ी चोटी एक करते हैं इन्हें पदोन्नति तो चाहिए तनख्वाह भी बड़ी नहीं चाहिए, बस जिला छोड़ने क्यों मत कहिए क्योंकि कोरिया जिले के बाहर लगता है यह पुलिसकर्मी काम ही नहीं कर पाएंगे, तेरे कुछ नामों पर गौर किया जाए तो पहला था विजय सिंह आता है जो आरक्षक से लेकर उप निरीक्षक बन गए पर विडंबना ऐसी पदोन्नत के बाद भी स्थानांतरण सूची से बाहर रहे वजह पहुंच व पकड़, दूसरा नाम है पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ स्टेनो विकास नामदेव यह भी पदोन्नत हुए पदोन्नत होने के बाद स्थानांतरण सूची में नाम भी आया पर पहुंचा पकड़ से अपना स्थानांतरण रोकने में सफल रहे पदोन्नति तो चाहिए पर स्थानांतरण नहीं चाहिए कुछ इस उद्देश में यह कर्मचारी काम कर रहे हैं एक ही जगह टिके होने की वजह से कर्मचारियों को विभागीय जांच में भी यह अड़चन डालते हैं ऐसा इन्हीं के कर्मचारियों का कहना है, तीसरा नाम है कोरिया जिले के सुपर कॉप नवीन दत्त तिवारी जिनकी शिकायतों को गिनने बैठे तो पुलिस विभाग भी थक जाए पर जुगाड़ व चापलूसी के दम पर नजदीकी थानों के थानेदार के साथ मिलकर माल कमाने पर भरोसा ज्यादा रखते हैं। ऐसे थानेदारों की तादाद भी बहोत ज्यादा नहीं है, कुछ गिने चुने थाना प्रभारी ऐसे हैं वैसे इनमें से सभी उप निरीक्षक हैं और थानेदार बनकर काम कर रहें हैं और निरीक्षक लाइन में काम कर रहें हैं।

क्या सुधरेगा व्यवस्था?

नए पुलिस अधीक्षक से अब जिलेवासियों को उम्मीद रहेगी कि वह जिले में बेहतर पुलिसिंग की मिसाल कायम करेंगे और जिले में न्याय व्यवस्था पर विश्वास कायम हो सके ऐसा प्रयास करेंगे। जिले में एक ही थानों में वर्षों से जमे उप निरीक्षकों को लेकर भी नए पुलिस अधीक्षक से बदलाव की उम्मीद रहेगी क्योंकि जिले में ही कई योग्य निरीक्षकों के पास पुलिस थाने नहीं हैं या फिर उन्हें दूरस्थ भेज दिया गया है। कुल मिलाकर नए पुलिस अधीक्षक से जिले की जनता को काफी उम्मीदें हैं और उनपर खरा उतरना नए पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी होगी।

निरीक्षकों को नहीं मिल रहे पुलिस थाने, उपनिरीक्षक वर्षों से मनचाहे पुलिस थानों में कर रहे कार्य

कोरिया जिले में नए पुलिस अधीक्षक से यह भी उम्मीद होगी कि वह पुलिस विभाग में ही बेहतर सामंजस्य स्थापित कर सकें एवम पदानुरूप पुलिस कर्मचारियों की पदस्थापना करें। आज जिले में 8 निरीक्षक कार्यरत हैं जिनमे से जिन्हें पुलिस थाने मिले हुए हैं वह या तो दूरस्थ पुलिस थानों में जंगलों में पदस्थ हैं वहीं कुछ लाइन में समय काट रहें हैं वहीं कुछ ऐसे उप निरीक्षक जिनके ऊपर कई तरह के आरोप भी लगते आ रहें हैं और जिनकी कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल भी उठते रहें हैं उनको शहरी क्षेत्र के बड़े पुलिस थानों की जिम्मेदारी मिली हुई है और वह वर्षों से वहीं जमे हुए हैं। अब नए पुलिस अधीक्षक से यह उम्मीद है कि वह ऐसे उप निरीक्षकों जो लगातार एक ही पुलिस थानों में वर्षों से कार्यरत है उनकी पदस्थापना स्थल में बदलाव करेंगे और जिले के 6 निरीक्षकों को पुलिस थानों की कमान सौपेंगे।

जिले में इतने थाने

ज्ञात हो कि अविभाजित कोरिया जिले में 12 पुलिस स्टेशन, 4 पुलिस चौकी और 5 पुलिस सहायता केंद्र हैं। जिला पुलिस मुख्यालय बैकुंठपुर शहर में स्थित है। जिले में दो जेल हैं जिला जेल बैकुंठपुर और उप जिला जेल मनेंद्रगढ़ पर जिले में पुलिस विभाग में अक्सर देखा जाता है कि पहुंच, पकड़, चापलूस व पैसे वाले पुलिसकर्मी शहर के अच्छे थानों में रहना चाहते हैं जिसके लिए वह काफी प्रयास करते नजर आते हैं कई ऐसे पुलिसकर्मी हैं जो कोरिया जिले के चंद अच्छे थानों में रहकर अपना कार्यकाल पूरा कर चले जाते हैं पर कुछ ऐसे भी पुलिस कर्मी हैं जो काबिलियत रखते हैं पर उन में उन पुलिसवालों के जैसे आदत नहीं होती इसलिए वह कोरिया जिले के जनकपुर कोटाडोल जैसे जगह पर वफादारी के साथ नौकरी करते हैं। जबकि इन जगहों पर काम करने वाले पुलिसकर्मी काफी अनुभव पाते हैं साथी इन क्षेत्रों में कार्यवाही भी अच्छी होती है।

वह थाने जहाँ ज्यादा रहना चाहते हैं पुलिस कर्मी

कोरिया जिले में चिरमिरी, मनेंद्रगढ़,पटना, झगराखांड, बैकुण्ठपुर खगवां ऐसे थाने है जहां रहने के लिए पुलिसकर्मी एड़ी चोटी एक कर देते हैं ताकि उनका कार्यकाल इन थानों में ही पूरा हो जाए यह थाना पुलिस कर्मियों के लिए बढ़िया आय वाला थाना माना जाता है जहाँ सभी अपनी पोस्टिंग चाहते हैं।

जेल निरीक्षण समिति ने किया जिला जेल बैकुण्ठपुर व उपजेल मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 09 जुलाई 2022(घटती-घटना)। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग अटल नगर नया रायपुर के निर्देशानुसार जिले मे गठित जेल निरीक्षण समिति द्वारा जिला बैकुण्ठपुर एवं उप जेल मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल मे निरूद्ध बंदियो से उम्र के संबध मे पूछताछ की गई तथा जिला जेल बैकुण्ठपुर 181 बंदी से उम्र के संबध में पूछताछ की गई तथा मनेन्द्रगढ़ मे कुल 278 पूछताछ की गई, निरीक्षण दल द्वारा प्रत्येक तीन माह मे जेलो का निरीक्षण इस उददेश्य से किया जाता है कि जेल मे ऐसे बंदी तो नही है जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम की हो जो कि त्रुटिपूर्ण तरीके से जेलो मे निरूद्ध हो गये हो। साथ ही बंदियों के बच्चों का सही देखरेख व संरक्षण हो निरीक्षण दल मे सदस्य किशोर न्याय बोर्ड श्रीमती माधुरी गुप्ता, जिला बाल संरक्षण अधिकारी आशीष गुप्ता, पंकज कुमार वर्मा विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता अमित श्रीवास्तव, संजीव कुमार साहू आउटरीच वर्कर जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग जिला-कोरिया शामिल थे। ऐसे बंदीयों को चिन्हांकित किया गया जिनके बच्चे घर पर रहकर जीवन यापन कर रहे है। जिन्हे देखरेख संरक्षण आवश्यकता है ऐसे पात्र बच्चो को प्रवर्तकता कार्यकम मे सम्मलित किये जाने का प्रयास विभाग द्वारा किया जायेगा। उक्त कार्यवाही कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला बाल संरक्षण समिति कुलदीप शर्मा तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सचिव जिला बाल संरक्षण समिति मनोज कुमार खलखो के मार्गदर्शन मे संचालित हुआ।

13 अगस्त 2022 को नेशनल लोक अदालत के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु की गई बैठक

-नगर संवाददाता-

कोरबा 09 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। नालसा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 13 अगस्त 2022 को नेशनल लोक अदालत के सफलतापूर्वक आयोजन किए जाने के संबंध में जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा डी.एल. कटकवार, की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर संजीव झा, पुलिस अधीक्षक, आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा की उपस्थिति में आयोजित किया गया। उक्त बैठक में कलेक्टर संजीव कुमार झा द्वारा जिले के अंतर्गत राजस्व मामलों के अधिक से अधिक प्रकरण चिन्हांकित किये जाने एवं उन्हें निपटारे हेतु अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों को निर्देशित किया जावेगा। राजस्व मामले जैसे खातों के मध्य आपसी बंटवारे के मामले, वारिसों के मध्य बंटवारे के मामले, याददाश्त के आधार पर बंटवारे के मामले, कब्जे के आधार पर बंटवारे के मामले, दण्ड प्रक्रिया संहिता 145 के कार्यवाही के मामले, रेंट कंट्रोल एक्ट के मामले, सुखा अधिकार से संबंधित मामले, विक्रय पत्र/ दान पत्र/वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण के मामले एवं अन्य राजीनामा योग्य राजस्व के मामले सम्मिलित है। पुलिस अधीक्षक कोरबा को यातायात से संबंधित ट्रैफिक चालान से संबंधित छोटे मामले , समरी प्रकरण, राजीनामा वाले प्रकरण, आपसी पारिवारिक विवाह के आपराधिक प्रकरण सहित, चेक बाउन्स , आबकारी एक्ट, के छोटे मामले इत्यादि को निपटारे हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारियों को लोक अदालत में रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया। आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा को नगर पालिक निगम के अंतर्गत प्री-लिटिगेशन के प्रकरण जलकर, संपत्ति कर से संबंधित अधिक से अधिक मामलों को नेशनल लोक अदालत हेतु चिन्हांकित कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा को सूची प्रेषित करने तथा लोक अदालत में अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के संबंध में आयोजित बैठक में अतुल ठक्कर, वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, अश्मिका तिवारी, न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी कोरबा, एस.के. सिन्हा, वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, राम पाण्डेय, उपशाखा प्रबंधक ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी कोरबा, ए.के. सहाय, यूनाइटेड इंडिया कंपनी, कोरबा उक्त बैठक में उपस्थित हुये। इसके साथ ही विद्युत, बिजली बिल संबंधी मामलों को भी शामिल किया जावेगा। 12 जुलाई को समस्त फाइनेंस कंपनी के शाखा प्रबंधकों की बैठक ली जावेगी।

होनहार छात्र का जनचेतना कल्याण मंच ने किया सम्मान

-नगर संवाददाता-

रामानुजगंज 09 जुलाई 2022 (घटती घटना)। नगर के समाज सेवी संस्था जनचेतना कल्याण मंच ने जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र का सम्मान किया। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 11 में निवासरत कपड़ा व्यवसाई लल्लू कुमार केसरी के पुत्र रोशन केसरी ने पूरे जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है इसी कड़ी में जन चेतना कल्याण मंच के अध्यक्ष विकास दुबे ने उनके निवास स्थान पर जाकर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनका सम्मान किया। दुबे ने कहा कि होनहार छात्रों का सम्मान करने से उनका मनोबल मजबूत होता है और उनको भविष्य में आगे बढ़ने कि प्रेरणा मिलती है। पवन कुमार पांडे सुमित केसरी अर्पित तिवारी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

आवेदनों के निराकरण में देरी पर लगेगा प्रतिदिन 500 रुपये का जुर्माना

-नगर संवाददाता-

कोरबा 09 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर संजीव झा ने कलेक्टर सभा कक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिये । उन्होंने सीमांकन के लंबित प्रकरणों के तेजी से निराकरण के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने पटवारियों की टीम बनाकर एक सप्ताह के भीतर सीमांकन के लंबित प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री झा ने लोक सेवा केन्द्रो के माध्यम से प्राप्त आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र आदि बनवाने के लिए प्राप्त आवेदनों में देरी होने पर जुर्माना लगाने के निर्देश भी दिये है। सीएससी के माध्यम से प्राप्त आवेदन के निराकरण के लिए निर्धारित समय सीमा के बाद प्रतिदिन 500 रुपये का जुर्माना संबंधित राजस्व अधिकारियों पर लगाने के निर्देश दिए । कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में विवादित अविवादित नामान्तरण, ई कोर्ट के लंबित प्रकरण, खाता विभाजन, वृक्ष कटाई के प्रकरण, नक्शा अपडेशन, नक्शा मिलान, अभिलेख शुद्धता, आबीसी 6-4 के प्रकरण, नारंगी क्षेत्र सर्वे, स्वामित्व योजना एवं राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना आदि की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान अपर कलेक्टर विजेन्द्र पाटले, संयुक्त कलेक्टर श्री अवध सिंह राणा, सभी अनुविभागीय अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम-शैलेश गुप्ता पिता/पति-रामाधार प्रसाद गुप्ता अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम-शैलेश कुमार गुप्ता पिता/पति-रामाधार प्रसाद गुप्ता निवासी/पता-हाऊस नम्बर 206, रिंग रोड नूतन कालोनी नमनाकला अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0 497001 रख लिया हूं।

अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय,अर्द्ध शासीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम-शैलेश कुमार गुप्ता पिता/पति-रामाधार प्रसाद गुप्ता से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
नाम-शैलेश कुमार गुप्ता
रिंगरोड नमनाकला अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0 पिन नं-497001

NAME CHANGE

I RIMJHIM SINGH KANWAR S/O, D/O ANIL KUMAR SINGH Resident of-Nutan Vihar,Behind Vision Eye Care Hospital, Patpariya, Ambikapur Surguja, Chhattisgarh Hereby Declare That Have Changed My Name From RIMJHIM SINGH KANWAR S/O,W/O,D/O-ANIL KUMAR SINGH TO RIMJHIM SINGH S/O, W/O, D/O-ANIL KUMAR SINGH in all the Government approved Identity Proofs to be Used for various purposes in the future.

Deponet
Name-RIMJHIM SINGH
Patpariya,Ambikapur
Surguja,Chhattisgarh

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम-रिमझिम सिंह कंवर पिता/पति-अनिल कुमार सिंह अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम-रिमझिम सिंह पिता/पति-अनिल सिंह कुमार सिंह निवासी/पता-नूतन विहार, विजन आई केयर अस्तपताल के पीछे, पटपरिया अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0 रख ली हूं।

अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय,अर्द्ध शासीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम-रिमझिम सिंह पिता/पति-अनिल कुमार सिंह से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
नाम-रिमझिम सिंह
पटपरिया,अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0

NAME CHANGE

I BHUNILA SINGH S/O, D/O ANIL KUMAR SINGH Resident of-Nutan Vihar,Behind Vision Eye Care Hospital, Patpariya, Ambikapur Surguja, Chhattisgarh Hereby Declare That Have Changed My Name From BHUNILA SINGH, S/O,W/O,D/O-ANIL KUMAR SINGH TO BHUNILA PAIKRA S/O, W/O, D/O-ANIL KUMAR SINGH in all the Government approved Identity Proofs to be Used for various purposes in the future.

Deponet
Name-BHUNILA PAIKRA
Patpariya,Ambikapur
Surguja,Chhattisgarh

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम-भुनिला सिंह पिता/पति-अनिल कुमार सिंह अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम-भुनिला पैकरा पिता/पति-अनिल कुमार सिंह निवासी/पता-नूतन विहार, विजन आई केयर अस्तपताल के पीछे, पटपरिया अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0 रख ली हूं।

अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय,अर्द्ध शासीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम-भुनिला पैकरा पिता/पति-अनिल कुमार सिंह से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
नाम-भुनिला पैकरा
पटपरिया,अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0

न्यायालय नायब तहसीलदार लटोरी, तहसील लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-202206263100001 /अ-21/2021-2022

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम हरिपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनमनी आ0 रामसुन्दर गोंड़ निवासी ग्राम हरिपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर ने अपने खाते की भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम हरिपुर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 306, 307, 688 रकबा0.15, 0.37, 0.28 हे0 भूमि को अनावेदक श्री शंकर आ0 जयकरण जाति गोंड़ निवासी हरिपुर तहसील लटोरी के पास 3,50,000/- रूपए में बिक्री करने हेतु सौदा तय किया गया है। जिसमें से 2,00000/- रूपए अग्रिम राशि प्राप्त कर लिया हूं। आवेदित भूमि शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि है उक्त भूमि को विक्रय करने हेतु अनुमति बाबत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत की है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसमें कार्यवाही इस न्यायालय द्वारा किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 30-07-2022 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — **नायब तहसीलदार** लटोरी जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार लटोरी, तहसील लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-202206262100076 /अ-21/2021-2022

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम संजयनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार साहा आ0 स्व0 मनोरंजन साहा उम्र-44 वर्ष,निवासी ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर ने अपने खाते की पुर्नवास विभाग से प्राप्त भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 328/1 रकबा1.02 हे0 भूमि में से रकबा 0.16 आरे अर्थात 40 डिसमिल भूमि को अनावेदक श्रीमती चंचला देव पति प्रदीप देव निवासी डोमनहिल चिरमिरी जिला मनेन्द्रगढ़ के पास 2,70,000/- रूपए (दो लाख सत्तर हजार रू0) में बिक्री करने हेतु तय हुआ है। जिसमें 2,70,000/- रूपए अग्रिम राशि प्राप्त कर लिया गया है। आवेदित भूमि पुर्नवास विभाग से पट्टे पर प्राप्त भूमि है उक्त भूमि को विक्रय करने हेतु अनुमति बाबत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत की है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 22-07-2022 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — **तहसीलदार** लटोरी जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- /अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शकुन्तला कुशवाहा पत्नी श्याम लाल कुशवाहा जाति कुशवाहा निवासी ग्राम/नगर लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 112/15 रकबा 0.014 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,नक्शा, खसरा सेटलमेन्ट रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है,जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 25/07/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **अनुविभागीय अधिकारी(रा)** अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- /अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज कुमार ठाकुर आ0 मनोज ठाकुर,उम्र-29 वर्ष निवासी- महामाया रोड , अम्बिकापुर जिला - सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/विक्रेता मदनलाल अग्रवाल आ0 हरिराम अग्रवाल,उम्र-56 वर्ष निवासी पोस्ट ऑफिस रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-दर्रीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 3839/3 रकबा 0.06 एकड़ भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट 3839/3 रकबा 0.06 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 26.05.2022 के द्वारा अनावेदक/विक्रेता मदनलाल अग्रवाल आ0 हरिराम अग्रवाल उम्र-56 वर्ष निवासी पोस्ट ऑफिस रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 26.05.2022 के आधार पर अपने नाम नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109,110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वेअपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/07/2022 तक इस न्यायालय प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/07/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी** अम्बिकापुर

CMYK

साल का अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीतने उतरेंगे नोवाक जोकोविक,सामने होंगे निक किर्गियोस

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के नोवाक जोकोविक रविवार को आस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के विरुद्ध साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में उतरेंगे तो उनकी नजरें इस साल का अपना पहला बड़ा खिताब जीतने पर लगी होंगी, जबकि पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के खिताबी मैच में प्रवेश करने वाले किर्गियोस भी अपने करियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब हासिल करना चाहेंगे।

जोकोविक ने सेमीफाइनल में ब्रिटेन के कैमरून नोरी को हराकर आठवीं बार विंबलडन के और कुल 32वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं, स्पेन के राफेल नडाल के चोट की वजह से मैच से हटने के कारण किर्गियोस को वाकओवर मिला था और वह बिना सेमीफाइनल मैच खेले ही खिताबी मैच में पहुंचे थे। दोनों खिलाड़ियों के बीच रिकार्ड को देखें तो जोकोविक का पलड़ा भारी नजर आ रहा है, लेकिन इस सर्बियाई खिलाड़ी ने विंबलडन के कुछ मैच में एक सेट गंवाया है, जिससे यह दिख रहा है कि उन्हें शुरुआत में लय बनाने में दिक्कत हो रही है। जोकोविक को किर्गियोस के विरुद्ध शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाना होगा, वहीं किर्गियोस के लिए भी जोकोविक की चुनौती से पार पाना आसान नहीं होगा। किर्गियोस अगर रविवार को जोकोविक को हराने में सफल रहे तो यह उनके

करियर की सबसे बड़ी जीत होगी।

फेडरर से आगे निकलने का मौका : जोकोविक अगर फाइनल में जीत हासिल करने में सफल रहे तो वह अपने करियर का 21वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीत लेंगे। ऐसे में जोकोविक के पास स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी रोजर फेडरर से आगे निकलने का मौका रहेगा, जिनके नाम 20 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। जोकोविक के लिए राहत की बात यह रही कि उन्हें नडाल की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा, जो पहले ही इस टूर्नामेंट से हट गए हैं। जोकोविक अगर किर्गियोस की चुनौती से पार पा लेते हैं तो यह उनका इस साल का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब होगा। मालूम हो कि कोरोना टीकाकरण नहीं कराने की वजह से जोकोविक को आस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलने दिया गया था, जबकि फ्रेंच ओपन में उन्हें नडाल से हार मिली थी। जोकोविक के वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन में भी खेलने पर संशय बना हुआ है, क्योंकि वहां भी खेलने के लिए कोरोना टीकाकरण कराना अनिवार्य है।

नंबर गेम-

- 3 बार लगातार जोकोविक ने जीता है विंबलडन का खिताब, वह 2018, 2019 और 2021 में यहां विजेता रहे थे, जबकि 2020 में कोविड-19 की वजह से इसका आयोजन नहीं हुआ था।
- 21वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में चुनौती पेश करेंगे जोकोविक।

मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रणय की हार के साथ भारत का अभियान समाप्त

कुआलालंपुर, 09 जुलाई 2022। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय की मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार लय शनिवार को पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस से तीन गेम में मिली हार के साथ टूट गई।

प्रणय ने एक गेम की बढ़त गंवा दी और उन्हें फिर से सेमीफाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा। वह एक घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में एनजी का लोंग से 21-17, 9-21, 17-21 से हार गए। मैच से पहले प्रणय का एनजी का लोंग के विरुद्ध करियर रिकार्ड 4-4 से बराबरी पर था। वह पिछली तीन भिड़ंत पर हांगकांग के खिलाड़ी पर भारी पड़े थे। प्रणय पहले गेम में अच्छी पकड़ बनाए थे, लेकिन फिर अपनी लेंथ से जूझने के कारण कई सहज गलतियां कर बैठे। प्रणय ने पहले गेम में 5-3 की बढ़त से शुरुआत की। वह ब्रेक तक चार अंक आगे थे, पर प्रणय ने 17-13 तक चार अंक की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद दो अंक गंवा बैठे लेकिन जल्द ही चार गेम प्वाइंट का मौका हथियाकर गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में प्रणय को शटल पर नियंत्रण बनाने में दिक्कत हो रही थी, जिसका हांगकांग के खिलाड़ी ने फायदा उठाकर ब्रेक तक छह अंक की बढ़त बना ली। फिर भी प्रणय की गलतियां जारी रहीं और यह गेम एनजी का लोंग के नाम रहा। मैच निर्णायक गेम में पहुंचा जिसमें प्रणय शुरू में थोड़ा नियंत्रण बनाए हुए थे और 8-3 से आगे हो गए थे। लेकिन प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले नौ में से आठ अंक हासिल कर ब्रेक तक दो अंक की अहम बढ़त बनाए रखी। प्रणय ने रैलियों में तेजी लाने की कोशिश की, लेकिन हांगकांग के खिलाड़ी ने 16-12 की बढ़त बनाई। प्रणय ने इसे 16-17 कर दिया, पर प्रतिद्वंद्वी ने लंबी रैली जीतने के बाद तीन मैच प्वाइंट हासिल कर मैच जीत लिया।

अगस्त में ज़िम्बाब्वे का दौरा करेगा भारत

मुंबई ,09 जुलाई 2022। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम अगले महीने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रंखला के लिये ज़िम्बाब्वे का दौरा करेगी। यह तीन मैच आईसीसी वनडे सुपर लीग का हिस्सा हैं, जो 18, 20 और 22 अगस्त को खेले जाएंगे। घरेलू टीम के लिए यह मैच बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि श्रृंखला के अंक अगले साल के एकदिवसीय विश्व कप के लिए चालीफाई करने के लिए गिने जाएंगे। यह पॉइंट भारत के लिए उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं क्योंकि वह अगले अक्टूबर में होने वाले शिखर आयोजन के लिए सीधे चालीफाई कर चुका है।

उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ इस महीने एक के बाद एक खेले जाने वाले छह एकदिवसीय मैच सुपर लीग का हिस्सा नहीं हैं। ज़िम्बाब्वे क्रिकेट (ज़ेडसी) के एक अधिकारी ने कहा, हम भारत की मेजबानी करके बहुत खुश हैं और हम एक प्रतिस्पर्धी और यादगार श्रृंखला के लिए तत्पर हैं।

फिलहाल सभी मैच राजधानी के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाने हैं। भारतीय टीम के 15 अगस्त को हरारे पहुंचने की उम्मीद है।

विराट कोहली को डेब्यू कर रहे गेंदबाज ने किया 1 रन पर आउट, टेस्ट के बाद टी20 में भी फ्लाप

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में खेलने उतरी। इस मैच से पहले विराट कोहली के नाम को लेकर जमकर हो हल्ला मचाया गया था। दिग्गज उनको प्लेइंग इलेवन में रखने की तरफदारी कर रहे थे जबकि टेस्ट में उनका प्रदर्शन जानकारों को डरा रहा था। मुख्य कोच राहुल द्रविड और कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे टी20 में विराट को मौका दिया लेकिन वो फ्लाप रहे।

खराब फार्म से जूझ रहे विराट की मुश्किलों का अंत होता नजर नहीं आ रहा। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान दोनों पारियों में 30 रन भी बनाने में नाकाम रहने के बाद टी20 में भी वह फ्लाप रहे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में 3 गेंद खेलने के बाद महज 1 रन बनाकर कोहली आउट हुए। भारतीय टीम ने कप्तान रोहित शर्मा का विकेट 4.5 ओवर में गंवाया था। कोहली को सीनियर होने के नाते पारी के संभालने भेजा गया था लेकिन वह ऐसा करने में नाकाम रहे और उल्टा टीम को दबाव में डाल दिया।

डेब्यू करने वाले गेंदबाज ने झटका विकेट

विराट जब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे टी20 मुकाबले में खेलने उतरे तो उनके उपर काफी दबाव था। मैच से पहले हर तरफ सिर्फ और सिर्फ उनकी ही बात की जी रही थी। इसका असर उनकी बल्लेबाजी पर दिखा। डेब्यू कर रहे रिचर्ड ग्लीसन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे।

टाप फार्म दीपक ही जगह आए विराट

विराट कोहली को कोच और कप्तान ने टाप फार्म में चल रहे दीपक हुड्डा की जगह पर टीम प्लेइंग इलेवन में जगह दी थी। दिग्गजों ने शानदार बल्लेबाजी कर रहे दीपक को टीम में रखते हुए विराट को मौका देने की बात कही थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आयरलैंड के खिलाफ शतक जमाने वाले दीपक ने पहले टी20 में 17 गेंद पर 33 रन की पारी खेली थी।

कोई भी हो कोहली के लिए करनी होगी जगह खाली: इशांत शर्मा

नई दिल्ली, 09 जुलाई 2022। बर्मिंघम टी20 में विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर और रवींद्र जडेजा की वापसी से टीम के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है कि आखिर अंतिम ग्यारह में किसे शामिल किया जाए और किसे बाहर रखा जाए। पहले मैच में रोहित और ईशान किशन ने टीम के लिए ओपनिंग की थी जबकि 3 और 4 नंबर पर क्रमशः दीपक हुड्डा और सूर्यकुमार यादव आए थे। ये दोनों बल्लेबाज इन दिनों शानदार फार्म में चल रहे हैं। ऐसे में विराट कोहली अंतिम ग्यारह में होंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें है।

लेकिन भारतीय गेंदबाज इशांत शर्मा का मानना है कि यदि विराट टीम में हैं तो वह अंतिम ग्यारह में होंगे। इशांत ने कहा कि ÷यह दीपक हुड्डा के लिए थोड़ा हार्ड हो सकता है लेकिन कोहली 3 नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप खुद के लिए कितनी कोशिश करते हैं लेकिन सच्चाई यही है कि यदि कोहली उपलब्ध हैं तो वह खेलेंगे।÷

कोहली और बाकी खिलाड़ी जो एजबेस्ट टेस्ट खेल रहे थे वो पहले टी20 का हिस्सा नहीं थे। लेकिन आगामी टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए टीम अपनी बेस्ट ग्यारह खिलाड़ियों के साथ ही उतरना चाहेगी। इशांत को लगता है कि कोहली, जडेजा और पंत के लिए तो टीम में जगह बनती है लेकिन सूर्यकुमार यादव के कारण अय्यर को टीम में आने के लिए इंतजार करना पड़ेगा।

हार्दिक ने युवराज का कारनामा दोहराया

साउथम्पटन ,09 जुलाई 2022। आलराउंडर हार्दिक ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी 20 में 51 रन बनाने के अलावा चार विकेट लेकर युवराज सिंह के कारनामे को दोहरा दिया है। युवराज के बाद हार्दिक ही एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं, जिसने एक टी20 मैच में 50 रन भी बनाए और चार विकेट भी लिए।

हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण 2018 से 2020 तक क्रिकेट से दूर रहे। इस दौरान उनके करियर पर कई सवाल उठाए गए। यह भी कहा गया कि उनका करियर ज़्यादा लंबा नहीं चलेगा। क्या वह पुराने हार्दिक बन पाएंगे? क्या वह चोट मुक्त रह सकते हैं? क्या वह गेंदबाज़ी कर सकते हैं? यदि हां, तो क्या वह अपनी गति और मैदान पर अपनी पुरानी तीव्रता को फिर से वापस ला सकते हैं ?

फिर आईपीएल 2022 की शुरुआत में आपने सोचा कि वह कप्तानी के दबाव को कैसे झेल पाएंगे और अपने खेल को कैसे आगे बढ़ा पाएंगे?

सीज़न की शुरुआत में फिर आपने सोचा कि क्या वह गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज़ी क्रम को मज़बूत बनाने के लिए अतिरिक्त दबाव ले रहे हैं और खुद बल्लेबाज़ी क्रम के सारे कार्यों को पूरा कर रहे हैं। वह नंबर तीन और चार पर बल्लेबाज़ी करते हुए पारी ख़त्म होने तक बल्लेबाज़ी कर रहे थे। कुल मिलाकर एक खिलाड़ी कई काम एक साथ पूरी ज़िम्मेदारी के साथ करना चाह रहा था।

शुक्रवार को हार्दिक ने ज़बरदस्त खेल दिखाया। टी20 विश्व कप के बाद भारत के लिए यह सबसे कठिनतम मैचों में एक था। इंग्लैंड की टीम इस फ़ॉर्मेट में काफ़ी अच्छी है। इस मैच में हार्दिक ने पहले अर्धशतक बनाया और फिर चार विकेट लिए। इससे पहले एक ही मैच में 50 रन बनाते हुए चार विकेट लेने का काम सिर्फ़ युवराज सिंह ने किया था।

शमशेरा में रणबीर के साथ काम करके बेहद खुश वाणी कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर, जो अपनी आगामी फिल्म शमशेरा की रिलीज के लिए तैयार हैं, रणबीर के साथ काम करके बेहद खुश हैं और उन्हें लगता है कि फिल्म के निर्देशक करण मल्होत्रा एक दूरदर्शी कहानीकार हैं। इस बारे में विस्तार से बताते हुए वाणी ने कहा, शमशेरा मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट है।

करण मल्होत्रा जैसे किसी व्यक्ति द्वारा निर्देशित किया जाना, जो एक दूरदर्शी कहानीकार है, एक ऐसा अवसर है, जिसे कोई भी अभिनेता कभी नहीं चूकेगा। मैं भाग्यशाली है कि उन्होंने महसूस किया कि मैं इस भूमिका के लिए उपयुक्त थी।

करण अपने शिल्प और कहानी के प्रति जुनूनी है जिसे वह बताने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक निर्देशक की अभिनेता हूं इसलिए मुझे उनके दृष्टिकोण और शमशेरा को सही मायने में एक बनाने की योजना में एक अद्भुत समय मिला।

जीवन से बड़ा बड़े परदे का तमाशा।रणबीर कपूर के साथ अपनी जोड़ी के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, मैं फिल्म में हमारी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक रणबीर कपूर के साथ भी काम कर रही हूं। यह पहली बार है जब हमें स्क्रीन पर एक साथ जोड़ा गया है और मैं उम्मीद करती हूं की लोग फिल्म में हमारी केमिस्ट्री को पसंद करें।

हमारे पात्रों का एक अद्भुत ग्राफ है और मुझे उम्मीद है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इसके लिए जड़ें जमाएंगे।काजा के काल्पनिक शहर में सेट, पीरियड एक्शन में रणबीर को टाइटैनिक का किरदार निभाते हुए देखा जाएगा। इस बड़े कास्टिंग तख्तापलट में संजय दत्त रणबीर के कट्टर दुश्मन की भूमिका निभा रहे हैं। संजय दत्त के साथ काम करने के बारे में, वाणी ने साझा किया, मुझे संजय दत्त के साथ काम करने का मौका मिला और मैं वर्षों से उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। मैं उन्हें अग्निपथ से प्यार करती थी।

आपको शमशेरा में उनके लिए इंतजार करना और देखना होगा क्योंकि वह फिर से हमें हिंदी सिनेमा में युगों-युगों के लिए खलनायक देने जा रहा है। वह सिर्फ खतरनाक और चालाक और पुरे शैतान है।भारत के प्रमुख स्टूडियो समूह वाईआरएफ के बैनर तले आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, शमशेरा 22 जुलाई को हिंदी, तमिल और तेलुगु में नाटकीय रूप से रिलीज होने के लिए तैयार है।

यामी ने वर्ष 2022 में बिताए गए अपने यादगार पलों का अनुभव साझा किया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने वर्ष 2022 में बिताए गए अपने यादगार पलों का अनुभव साझा किया। 2022 की पहली छमाही ने उन्हें चौंका दिया है क्योंकि उनकी दोनों फिल्में धर और दसवीं ने अच्छी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

उसी के बारे में विस्तार से बताते हुए, अभिनेत्री ने कहा 2022 की पहली छमाही मेरी कल्पना से भी बेहतर रही है। ए थर्सडे एक ऐसी भूमिका थी जिसे करने के लिए मैं तरस रही थी क्योंकि यह कुछ ऐसा था जो मैंने पहले कभी नहीं किया था।

जब किसी के प्रयास को इतने बड़े पैमाने पर स्वीकार और सराहा जाता है, तो यह आपको केवल बड़ी चुनौतियों और जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। मुझे अभी भी ए थर्सडे में मेरे निभाए गए प्रदर्शन के लिए संदेश मिल रहे हैं और यह मुझे हर बार शब्दों से परे खुश करता है।

यहां तक कि दसवीं में भी एक नई बोली सीखना, एक पुलिस वाले की भूमिका निभाना ऐसे अनुभव थे, जो हमेशा महत्वपूर्ण बनाते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो यामी के पास लॉस्ट और ओएमजी 2 जैसे प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

आतंकवादियों को बीजेपी का समर्थनः प्रवक्ता पवन खेरा

उदयपुर हत्याकांड का आरोपी भाजपा का सक्रिय सदस्य

रायपुर, 09 जुलाई 2022। भाजपा का आतंकवाद से नाता है, हालांकि आतंकवाद के मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए, कांग्रेस कभी आतंकवाद पर राजनीति नहीं होने देती, लेकिन सत्तारूढ़ दल से आतंकवादी का कनेक्शन है. कन्हैया लाल की हत्या से ये महसूस होता है कि आरोपी आतंकवादी था. उदयपुर हत्याकांड का आरोपी रियाज भाजपा का सक्रिय सदस्य है. ये बातें एआईसीसी मीडिया प्रमुख पवन खेरा ने राजीव भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में कही.

पवन खेरा ने भाजपा पर आतंकवादियों को समर्थन देने के आरोप लगाते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में बीते सप्ताह 2 आतंकवादी पकड़े गए, उनमें से एक आतंकवादी तालिब हुसैन शाह थे, जिनकी फोटो अमित शाह के साथ देखी गई. 20 लोगों की मौजूदगी में फोटो खिंचवाई गई, अगर गृहमंत्री को यह पता नहीं कि उनमें से एक आतंकवादी था तो भी इंटेलिजेंस फेल. तालिब हुसैन भाजपा के पदाधिकारी भी निकले.

जन-जन तक पहुंचाएंगे भाजपा की नाकामियां:- खेरा ने कहा, बीते समय अमरावती में उमेश कोल की हत्या इरफान खान ने की. इरफान नवनीत राणा के प्रचार में शामिल हुए थे. कांग्रेस का ये फैसला है कि इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाएंगे. इससे पहले भी डीएसपी दविंदर सिंह रंगे हाथों आतंकवादी के साथ पकड़े गए, उन पर भी कार्रवाई नहीं हुई।

डॉ. रमन सिंह के बयान पर कही ये बात

चलते फिरते क्या लेटर दे दिया जाता हैं, पद क्या चलते फिरते दे दिया जाता हैं, क्या मिस कॉल से पार्टी का गमछा पहनाया जाता है? डॉ. रमन सिंह भूतपूर्व नहीं अभूतपूर्व नेता है, उन्हें सोच समझकर बात करनी चाहिए. गौरतलब है कि डॉ. रमन सिंह ने बीते दिनों कहा था कि राष्ट्रीय नेता चलते फिरते फोटो खिंचवा लेते हैं. मिस कॉल कर कोई भी भाजपा की सदस्यता ले सकता है. डॉ. रमन सिंह जैसे लोग इस तरह के आरोपों का खंडन कर रहे. सोशल मीडिया में कौन सी तस्वीर वायरल हो रही, उन्हे ये भी नहीं पता, वे बिना ज्ञान के कुछ भी बोलते हैं. उन्हे थोड़ा पढ़ लेना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ी फिल्म में दिखेंगे खाद्य मंत्री

रायपुर, 09 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ सरकार के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत अब फिल्मी दुनिया से भी जुड़ गए हैं। वे छत्तीसगढ़ी फिल्म में अभिनय करते दिखेंगे। मंत्री भगत फिल्म %बलिदानी राजा गुरु बालकदास% में शहीद वीर नारायण सिंह की भूमिका में नज़र आएंगे।

बताया जा रहा है कि 2019 में संस्कृति मंत्री बनने के बाद से अमरजीत भगत लगातार छत्तीसगढ़ी सिनेमा से जुड़े लोगों से संपर्क में हैं। नया रायपुर में फिल्म सिटी का निर्माण कराना उनका सपना है। यह बात कम लोग जानते हैं कि श्री भगत का संगीत से गहरा नाता है। एकांत में वे गाने सुनना पसंद करते हैं। %बलिदानी राजा गुरु बालकदास% फिल्म के लिए जब भगत के पास जब शहीद वीर नारायण सिंह के किरदार का प्रस्ताव रखा गया तो वे उसे टाल नहीं सके।

इस फिल्म के निर्माता डॉ. जेआर सोनी हैं। निर्देशक अमीर पति हैं। गुरु बालकदास की भूमिका ओम त्रिपाठी निभा रहे हैं। फिल्म के राइटर और प्रोड्यूसर जेआर सोनी ने बताया कि यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि गुरु बालकदास और शहीद वीर नारायण सिंह गहरे मित्र थे। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत करने पर वीर नारायण सिंह को 1857 में फांसी दे दी गई थी। उसके करीब 3 साल बाद गुरु बालकदास की हत्या कर दी गई। इस फिल्म में 1820 से 1860 के बीच की कहानी दिखाई जा रही है।

बेकाबू कार ने महिला को उड़ाया, मौके पर हुई मौत

रायगढ़, 09 जुलाई 2022। सड़क हादसे में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। दरअसल, वृद्ध महिला सड़क पार कर रही थी कि उसी दौरान तेज रफ्तार कार ने महिला को ठोकर मार दी। महिला हवा में उछल गयी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना बीती रात की बताई जा रही है।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस वारदात का पूरा मामला पास में ही एक मकान में लगे सीसीटीवी में घटना कैद हो गया है। मामला जांजगीर जिले के अमलडीहा गांव का बताया जा रहा है। चन्द्रपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फसल बीमा में शामिल नहीं होना चाहते वे 8 तक जमा कर सकते हैं घोषणा पत्र

महासमुंद, 09 जुलाई 2022। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत् जिले में खरीफवर्ष 2022 में धान सिंचित, धान असिंचित एवं मूंग फसलों को अधिसूचित किया गया है। जिसका बीमा 15 जुलाई तक कराया जा सकता है। इसी प्रकार रबी वर्ष 2022-23 में गेहूं सिंचित फसल को अधिसूचित किया गया है, जिसका बीमा 15 दिसम्बर 2022 तक कराया जा सकता है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष ऋणी किसानों के लिए भी फसल बीमा ऐच्छिक कर दिया गया है। ऋणी किसान जो फसल बीमा में शामिल नहीं होना चाहते उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी घोषणा पत्र (ऑप्ट आउट फार्म) खरीफ फसल के लिए 08 जुलाई तक संबंधित संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। घोषणा पत्र (ऑप्ट आउट फार्म) नियत तिथि तक जमा नहीं करने पर कृषक द्वारा ली गई ऋण राशि को अनिवार्य रूप से बीमाकृत कर दिया जाएगा। विगत 1 जुलाई 2022 को फसल बीमा सप्ताह कार्यक्रम का शुभारम्भ कृषि विभाग के उप संचालक अमित कुमार मोहन्ती द्वारा फसल बीमा रथ को कृषि विभाग उप संचालक कार्यालय के प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

डीए और एचआरए बढ़ाने की मांग को लेकर एक हुआ कर्मचारी संगठन, 25 जुलाई से करेंगे बड़ा आंदोलन

रायपुर, 09 जुलाई 2022। प्रदेश में महंगाई भत्ता और सातवें वेतनमान के अनुरूप गृहभाड़ा भत्ता की मांग को लेकर समस्त कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है. इसे लेकर कर्मचारी लगातार अलग-अलग बैनर तले धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों को शासन के समक्ष रख रहे हैं. प्रदेश में सफल शिक्षाकर्मी आंदोलन के बड़े चेहरे रहे छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे और छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर एकता का संदेश देते हुए कहा कि- समस्त अधिकारी और कर्मचारी संगठन अब एक साथ एक मंच पर आकर आंदोलन करें तभी हमें डीए और सातवें वेतनमान के अनुरूप एचआरए की प्राप्ति होगी.

वीरेंद्र दुबे और संजय शर्मा ने अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा और मंहगाई भत्ता संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक अनिल शुक्ला से अपील किया है।

जनजाति क्षेत्रों के जर्जर छात्रावास-आश्रम और स्कूलों के भवन की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराएंःमुख्यमंत्री भूपेश बघेल

रायपुर, 09 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आज यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद की बैठक में आयोजित की गई. मुख्यमंत्री ने बैठक में जनजाति क्षेत्रों के जर्जर छात्रावास-आश्रम और स्कूलों के भवन की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण दो साल बाद स्कूल, छात्रावास और आश्रम प्रारंभ हुए हैं, जहां मरम्मत की आवश्यकता है, वहां मरम्मत का कार्य तत्परता से कराया जाए. मुख्यमंत्री ने जनजाति क्षेत्रों में संचालित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए छात्रावास का निर्माण करने के निर्देश भी दिए. इसी तरह उन्होंने स्कूलों में बच्चों की दर्ज संख्या के आधार पर शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने के निर्देश दिए।

जनजाति सलाहकार परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ राज्य आदिमजाति अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) के कैम्प आयोजित कर वहां जाति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही दिक्कतों का अध्ययन कर इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर केन्द्र सरकार को भेजने के निर्देश अधिकारियों को दिए. बैठक में छत्तीसगढ़ पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) अधिनियम-1996 (पेसा एक्ट) के क्रियान्वयन के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुसमर्थन किया गया. इसी तरह अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन पर राज्यपाल का प्रतिवेदन वर्ष 2020-21 का अनुमोदन भी बैठक में किया गया. अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन पर बैठक में अनुमोदित किए गए राज्यपाल को भेजे जाने वाले प्रतिवेदन वर्ष 2020-21 में अनुसूचित जनजातियों के शैक्षणिक और सामाजिक, आर्थिक प्रोत्साहन के लिए संवैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन, विभिन्न विकास विभागों द्वारा अनुसूचित क्षेत्र में क्रियान्वित प्रमुख योजनाओं का विवरण, प्रदेश के विशेष रूप से कमजोर जनजातियों की जनसांख्यिकीय जानकारी, प्रशासकीय इकाई और विकास कार्यों की स्थिति, अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 और नियम 2007 यथा संशोधित नियम 2012 के क्रियान्वयन का उल्लेख है.

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जनजाति सलाहकार परिषद की पूर्व में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के परिपालन में नारायणपुर जिले के 19 ग्रामों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है और दो ग्रामों के सर्वे का कार्य प्रक्रियाधीन है. बैठक में यह भी बताया गया कि मार्च 2022 तक 4 लाख 46 हजार 41 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र, 45 हजार 764 सामुदायिक वन अधिकार, 3 हजार 516 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र का वितरण कर दिया गया है. इस तरह कुल 4 लाख 95 हजार 455 वन अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं।

जाति अत्याचार के खिलाफ निर्वस्त्र होकर राजधानी रायपुर में प्रदर्शन करेंगे युवा

रायपुर, 09 जुलाई 2022। देशभर में हो रहे जाति अत्याचार के खिलाफ युवा निर्वस्त्र होकर राजधानी रायपुर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा स्थल के पास प्रदर्शन करेंगे. 18 जुलाई को प्रदेशभर से युवा रायपुर पहुंचेंगे. प्रदर्शन को लेकर समाजिक कार्यकर्ता संजीत बर्मन ने आधिकारिक तौर पर ऐलान कर दिया है.

प्रदर्शन करने वाले संजीत का कहना है उनके आरक्षित वर्ग के जनप्रतिनिधि और पढ़े-लिखे अधिकारी कर्मचारी अपने वर्ग के साथ हो रहे अन्याय अत्याचार और प्रशासनिक दमन के खिलाफ मुंह खोलने के बजाए चुप्पी साध कर पेटखोर रहते हुए आरक्षण का लाभ उठाते रहना चाहते हैं. लेकिन अब हमें अत्याचार की घटनाओं को सुनते हुए देखते हुए जीवन यापन करना सहन नहीं हो रहा है. हम नहीं चाहते हैं कि हमारे बच्चे भी अपने जीवनकाल में जातिगत प्रताड़ना और अत्याचार झेलते रहे.

बता दें कि संजीत बर्मन पेशे से शासकीय स्कूल में शिक्षक रह चुके है. उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर अपना जीवन समाज और मानवता के लिए समर्पित कर दिया है. संजीत कहते है अगर गरिमामय जीवन और समान नागरिक अधिकार के साथ जीने के लिए धरना-प्रदर्शन और रैली-आंदोलन करना अगर हमारे जाति वर्ग के हिस्से में परंपरा बन गया है तो हम इस परंपरा को खत्म करना चाहते हैं. उन्होंने बताया कि उनकी जाति ऐसी है कि पुलिस उनकी सुनती नहीं है, प्रशासन उन पर यकीन करती नहीं है और तो और उनके राजनीतिक वोट को बिकाऊ समझा जाता है हमारे समाज के सामाजिक ठेकेदारों को रुपए और पद के लालच देकर वोट प्रभावित किया जाता है. पदलोलुपता के वजह से सामाजिक ठेकेदारों की आवाज सत्ता के सामने दबी रहती है और इसलिए सरकार हमारे अस्तित्व को स्वीकार करती नहीं है.

हिंदू गिने जाते है लेकिन हिंदू हमें अपना नहीं मानते!

संजीत प्रदेश और देश मे हो रहे घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहते है हमारी गिनती जनगणना के समय हिंदू धर्म में गिना जाता है, लेकिन जब तक हिंदू के सामने मुस्लिम न हो तब तक हिंदू धर्म हमें अपना मानती नहीं है. हमारे वर्ग के ऊपर अत्याचार करने वाले एवं हमारे आरक्षण के खिलाफ खड़ा होते हमने सदैव हिंदू धर्मी को ही देखा है. जब हमारे लोगों पर कोई हिंदू धर्मी अत्याचार करता है तब कोई दूसरा हिंदू धर्मी को हमारे पक्ष में खड़ा होते कभी नहीं देखा है।

हर जगह से निराश है समाज

उन्होंने कहा कि हम भारत का संविधान पर विश्वास करते हुए पुलिस से निवेदन किए, प्रशासन को आवेदन दिए, सरकार से गुहार लगाए और न्यायपालिका से न्याय मिलने की उम्मीद लगाए रहे. अफसोस हर जगह से हमें निराशा हाथ लगी. अब हमें एहसास होने लगा है कि हमें इस भारत देश में दोयम दर्जे के नागरिक समझा जाने लगा है।

नग्न प्रदर्शन करने को मजबूर

इस प्रदर्शन में संजीत बर्मन मनीष गायकवाड़, विनय कौशल, पंकज भास्कर सहित अन्य युवा शामिल हो रहे है. प्रदर्शनकारी कहते है कि हम मजबूर हैं, हमें भारतीय नागरिक साबित करने के लिए नंगा (निर्वस्त्र) होकर प्रदर्शन करने की आवश्यकता हो गई है, हमारा कदम अपने शोषित समाज के स्वाभिमान के लिए है।

कानून के रास्ते मनुस्मृति को थोपने का खेल

छत्तीसगढ़ के पेरियार कहे जाने वाले संजीत बर्मन ने केंद्र और राज्य सरकार की नीति पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने कहा सरकार में बैठे लोग हमारे सारे संवैधानिक अधिकार को धीरे-धीरे निलंबित करने में लगे हुए है और मनुस्मृति के अनुसार हम पर शासन करने का योजना बनाई जा रही है. जिस मनुस्मृति को अमानवीय बता डॉक्टर अम्बेडकर ने सार्वजनिक तौर पर जला दिया था उसे अब धीरे-धीरे सरकार कानून के रास्ते थोपने की कोशिश कर रही है।

आजादी के बरसों बाद भी क्या वंचित वर्ग को आजादी मिल सकी है?

सामाजिक कार्यकर्ता संजीत ने कहा कि क्या आजादी के बरसों बाद भी वंचित वर्ग को आजादी मिल पाई है. इस मुद्दे पर बहस बहुत हुए है. अंततः यह समझ आता है कि इस आजाद भारत मे आज भी वंचित तपके को आजादी से जीने में बहुत तरह की समस्याएं है. उनके उध्धार के लिए बने कानून जाति के दीवार को तोड़ने में नाकाम साबित रही है. देश का बहुसंख्यक वर्ग इस व्यवस्था से आहत है. निश्चितरूप से युवाओं का यह प्रदर्शन देश की खोखली आजादी के पोल खोलने वाली है।

जांजगीर-चांपा दुष्कर्म मामले के विरोध में भाजपा का राजभवन मार्च 14 को,महिला मोर्चा की राष्ट्रीय पदाधिकारी होंगी शामिल

जांजगीर/रायपुर, 09 जुलाई 2022। जांजगीर-चांपा में हुई वृद्धा के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर धरना-प्रदर्शन के बाद अब भाजपा 14 जुलाई को राजभवन मार्च कर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे। मार्च में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव दीप्ति रावत भी शामिल होंगी।राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने से पहले भाजपा नेता एकात्म परिसर से राजभवन तक पैदल मार्च निकालेंगे।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव दीप्ति रावत भारद्वाज ने रायपुर में मीडिया से चर्चा में कहा कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने शांति के टापू के रूप में छत्तीसगढ़ का निर्माण किया था, लेकिन कांग्रेस सरकार में महिलाएं असुरक्षित हो गई है। जिस तरह जांजगीर में निर्भया कांड हुआ, उस पर कांग्रेस सरकार पर्दा डालने का काम कर रही है।

12 घंटे बाद मिली उफनती नदी में बहे सीआरपीएफ जवान की लाश

बीजापुर, 09 जुलाई 2022। जिले में हादसे का शिकार हुए सीआरपीएफ कोबरा 210 बटालियन के जवान सूरज आर के शव को नदी से बरामद कर लिया गया है. दरअसल शुक्रवार सुबह गश्त से कैंप लौटते वक्त सीआरपीएफ का जवान सूरज आर उफनती नदी में बह गया था.

इसके बाद लगातार लापता जवान की तलाश की जा रही थी. करीब 12 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आखिरकार जवान के शव को उसकी सर्विस रायफल समेत बरामद कर लिया गया है।

काफी दूर बरामद हुआ शव

लापता जवान की तलाश में सीआरपीएफ के जवानों के साथ स्थानीय पुलिस और ग्रामीण भी पूरी तरह से लगे हुए थे. बताया जा रहा है कि नदी में पानी का बहाव काफी तेज होने की वजह से घटना की जगह से काफी दूर जवान का शव रेस्क्यू के दौरान बरामद हुआ। इधर इस घटना के बाद से सीआरपीएफ कोबरा 210 बटालियन कैंप में मातम छाया हुआ है।

महंगाई लोगों का जीना कर रही मुश्किल : रश्मि

महासमुंद, 09 जुलाई 2022। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर ने बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा की मोदी सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार के पास कीमतें बढ़ाने के हर तर्क हैं, मगर उन्हें रोकने का एक भी उपाय नहीं है। महंगाई ने गरीब आदमी तो क्या, मध्यवर्ग के आदमी तक का जीना मुहाल कर दिया है। मगर सरकार कुछ भी नहीं कर पा रही है। महंगाई लोगों के पीछे पड़कर उनका जीना मुश्किल कर रही है। कभी खाद्य सामग्री, कभी पेट्रोल तो कभी एलपीजी के दाम बढ़ रहे हैं। इससे सिर्फ गरीब ही नहीं, मध्यवर्ग के लोग भी परेशान होने लगे हैं।

तुंहर सरकार तुंहर द्वार

अब छत्तीसगढ़ में घर बैठे करा सकेंगे हाइपोथीकेशन टर्मिनेशन

रायपुर, 09 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश के परिवहन विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सुविधा %तुंहर सरकार तुंहर द्वार% को और सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसके तहत अब हाइपोथीकेशन से संबंधित सभी सेवाओं को फेसलेस कर दिया गया है। प्रदेशवासी अब घर बैठे हाइपोथीकेशन (एचपी) से जुड़ी सभी सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। करीब 75 बैंकों, वित्तीय संस्थानों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अपनी हाइपोथीकेशन (एचपी) सेवाओं के साथ एकीकृत कर दिया गया है।

परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत हाइपोथिकेशन जोड़ने और समाप्ति के संबंध में आरटीओ कार्यालय में कोई भौतिक दस्तावेज नहीं लिया जाएगा। बैंकों और ऋण देने वाली संस्थाओं को आधार कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से सभी दस्तावेजों और एनओसी को सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटल रूप से जमा करना होगा, जिससे भौतिक हस्ताक्षर की आवश्यकता न पड़े।

वाहन स्वामी के द्वारा एक बार जब बैंक में ऋण दे दिया जाएगा या भुगतान कर दिया जाता है, तो डेटा सीधे बैंक द्वारा वाहन डेटाबेस में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा एचपीटी सेवा को सत्यापित और अनुमोदित करने का कार्य सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्वतः हो जाएगा। आवेदकों को अपने बैंकों से फॉर्म-35 तथा एनओसी प्राप्त करने और इन दस्तावेजों को अपलोड करके हाइपोथेकेशन टर्मिनेशन के लिए परिवहन विभाग में आवेदन करने की कोई आवश्यकता नहीं है। एचपी के ऑटो-टर्मिनेशन के बाद एमपरिवहन और डिजिलॉकर पर अपडेटेड रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) उपलब्ध करा दिया गया है। वाहन मालिकों को एक एसएमएस के माध्यम से अपने एचपी के ऑटोमेटिक हटाने के बारे में भी सूचित किया जाता है।

परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा %तुंहर सरकार तुंहर द्वार% के सुव्यवस्थित संचालन के लिए निरंतर निगरानी रखी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा संचालित %तुंहर सरकार तुंहर द्वार% योजना लोगों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। परिवहन विभाग से संबंधित जनसुविधाएं इतनी सहजता से घर बैठे मिलने से लोगों को अब बार-बार परिवहन विभाग के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके चलते आवेदकों के समय और धन की बचत होगी।

%इसके तहत केवल एक साल से कम की अवधि में 11 लाख से अधिक स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लायसेंस आवेदकों के घर भेजे जा चुके हैं। इनमें 07 लाख 50 हजार 934 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा 03 लाख 67 हजार 785 ड्राइविंग लायसेंस शामिल हैं। इसमें लोगों को परिवहन संबंधी 22 सेवाएं उनके घर के द्वार पर पहुंचाकर दी जा रही है। जन केन्द्रित इस सुविधा के अंतर्गत लोगों को अब बार-बार परिवहन विभाग का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। इससे आवेदकों के धन तथा समय दोनों की ही बचत हो रही है।

परिवहन आयुक्त काबरा ने बताया कि परिवहन संबंधी सेवाओं में विस्तार के लिए राज्यभर में परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना को लेकर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बीते 26 जनवरी को घोषणा की थी। मुख्यमंत्री श्री बघेल की घोषणा के बाद इस संबंध में प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना और भूमिका को लेकर परिवहन विभाग की ओर से प्रारूप तैयार किया गया। इस प्रारूप को अनुमोदित कर आगे की कार्यवाही के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जारी मार्गदर्शिका के अनुसार राज्यभर में लगभग एक हजार परिवहन सुविधा केन्द्र पूरे राज्य में खोले जा रहे हैं। वहीं परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना से करीब पांच हजार युवाओं के रोजगार सृजन की संभावना भी बनेगी।

इसके तहत लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए परिवहन सुविधा केन्द्र को अधिकृत किया जा सकता है। इस परिकल्पना को रोजगारन्मुखी स्वरूप देने के लिए छत्तीसगढ़ में परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना का निर्णय लिया गया है। परिवहन सुविधा केन्द्रों में लर्निंग लाइसेंस के अलावा अन्य परिवहन संबंधी सेवा के लिए आवेदन किया जा सकेगा।।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)